संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 340
पृष्ठ 8
रविवार
01 सितम्बर 2024
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

# शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित    Email : shaharsamta@gmail.com    Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- आंखों में दर्द होने पर...
विचार- इतिहास भूत होता है...
खेल- राहुल द्रविड़ के बेटे समित का...

**पीएम मोदी ने तीन वंदे भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी, बोले**

# रेल इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित भारत के विजन का एक मजबूत स्तंभ

❍ रेलवे बनेगी गरीब, मध्यम वर्ग के सुखद यात्रा की गारंटी

## मोदी ने उच्चतम न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने सिक्का, डाक टिकट जारी किया

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उच्चतम न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शनिवार को एक सिक्का और डाक टिकट जारी किया। उन्होंने शीर्ष अदालत की ओर से श्भारत मंडपमश् में आयोजित जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए 75 रुपए का यादगार एक सिक्का और डाक टिकट जारी किया। उद्घाटन समारोह में मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डॉ. धनंजय वाई चंद्रचूड़, शीर्ष अदालत के अन्य न्यायाधीश, सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश, केंद्रीय विधि और न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल, अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमनी, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल, बार काउंसिल आफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा के अलावा अनेक अधिवक्ता और विधि के विद्यार्थियों समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एक सितंबर को सम्मेलन में समापन भाषण देंगी और उच्चतम न्यायालय के ध्वज और प्रतीक चिन्ह का अनावरण भी करेंगी। इस दो दिवसीय सम्मेलन में जिला न्यायपालिका से संबंधित विषयों पर मंथन किया जाएगा। इस सम्मेलन में जिला न्यायपालिका में अवसंरचना और मानव संसाधन, सभी के लिए समावेशी न्यायालय, न्यायिक सुरक्षा और न्यायिक कल्याण, मामला प्रबंधन और न्यायिक प्रशिक्षण पर विचार–विमर्श और चर्चा की जाएगी। शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश के मार्गदर्शन में आयोजित 'जिला न्यायपालिका पर राष्ट्रीय सम्मेलन' में दो दिनों में छह सत्र आयोजित किए जाएंगे। सम्मेल में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की जिला न्यायपालिका से 800 से अधिक प्रतिभागी शामिल हैं।

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन मार्गों पर तीन वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। ये तीन वंदे भारत ट्रेन मेरठ–लखनऊ, मदुरै–बेंगलुरु और चेन्नई–नागरकोइल के बीच चलेंगी। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज उत्तर से दक्षिण तक, देश की विकास यात्रा में एक और अध्याय जुड़ रहा है। आज से मदुरै–बेंगलुरु, चेन्नई–नागरकोविल और मेरठ–लखनऊ के बीच वंदे भारत ट्रेनों की सेवा शुरू हो रही है। उन्होंने कहा कि वंदे भारत ट्रेनों का ये विस्तार, ये आधुनिकता, ये रफ्तार... हमारा देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर कदम दर कदम बढ़ रहा है।

मोदी ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए दक्षिण के राज्यों का तेज विकास बहुत जरूरी है। दक्षिण भारत में अपार प्रतिभा है, अपार संसाधन और अवसर हैं। इसलिए, तमिलनाडु और कर्नाटक समेत पूरे दक्षिण का विकास हमारी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में इन राज्यों में रेलवे की विकास यात्रा इसका उदाहरण है। इस साल के बजट में हमने तमिलनाडु को 6 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा रेलवे बजट दिया है। ये बजट 2014 की तुलना में 7 गुना से अधिक है।

मोदी ने कहा कि इसी तरह कर्नाटक के लिए भी इस बार 7 हजार करोड़ से ज्यादा का बजट आवंटित हुआ है। ये बजट भी 2014 की तुलना में 9 गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि आज लॉन्च की गई तीन वंदे भारत ट्रेनें देश के महत्वपूर्ण शहरों और ऐतिहासिक स्थानों को जोड़ने वाली हैं। टेम्पल सिटी मदुरै अब सीधे आईटी सिटी बेंगलुरु से जुड़ जाएगा। इससे तीर्थयात्रियों और कर्मचारियों दोनों को लाभ होता है। इसी तरह, चेन्नई से नागरकोइल वंदे भारत कनेक्टिविटी से छात्रों, किसानों और कामकाजी पेशेवरों को लाभ होगा।

उन्होंने कहा कि आज मेरठ–लखनऊ रूट पर वंदे भारत ट्रेन के जरिए यूपी और खासकर पश्चिमी यूपी के लोगों को भी खुशखबरी मिली है। मेरठ और पश्चिमी यूपी क्रांति की धरती है। आज यह क्षेत्र विकास के नई क्रांति का साक्षी बन रहा है। उन्होंने कहा कि वंदे भारत आधुनिक होती भारतीय रेलवे का नया चेहरा है। आज शहर में, हर रूट पर वंदे भारत की मांग है। हाई–स्पीड ट्रेनों के आने से लोगों में अपने व्यापार और रोजगार को, अपने सपनों को विस्तार देने का भरोसा जगता है। आज देशभर में 102 वंदे भारत रेलवे सेवाएं संचालन हो रही है।

## महिलाओं के खिलाफ अत्याचार समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय : मोदी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को महिलाओं के खिलाफ अपराधा के मामलों में त्वरित न्याय का आह्वान किया और कहा कि महिला अत्याचार समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। श्री मोदी ने आज यहां भारत मंडपम में उच्चतम न्यायालय की ओर से आयोजित जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, "देश में कई कानून हैं जो महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे को संबोधित करते हैं। वर्ष 2019 में फास्ट–ट्रैक विशेष अदालतों के लिए कानून पारित किया गया था, जिसके तहत गवाह बयान केंद्र बनाये गये थे। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इन केंद्रों को और मजबूत किया जाये ताकि महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े मामलों में तेजी से फैसले सुनाए जा सकें।" उन्होंने कहा कि न्याय में विलंब को खत्म करने के लिए पिछले एक दशक में कई स्तरों पर काम किया गया है। पिछले 25 वर्षों में न्यायिक बुनियादी ढांचे पर खर्च की गई राशि का 75 प्रतिशत करीब 8000 करोड़ रूपये गत 10 वर्षों में ही खर्च किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत की जनता ने न्यायपालिका पर कभी अविश्वास नहीं किया तथा लोकतंत्र की जननी के रूप में शीर्ष न्यायालय के 75 साल देश के गौरव को और बढ़ाते हैं। लोकतंत्र में न्यायपालिका की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि न्यायपालिका को संविधान का रक्षक माना जाता है और यह अपने आप में एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, "हम संतोष के साथ कह सकते हैं कि शीर्ष न्यायालय ने इस जिम्मेदारी को निभाने का बेहतरीन प्रयास किया है।" इस मौके पर श्री मोदी ने भारत के उच्चतम न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में डाक टिकट और सिक्के का अनावरण भी किया। कार्यक्रम में देश भर के जिला न्यायपालिका के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

## आईएएस धर्मेंद्र होंगे दिल्ली के नए मुख्य सचिव

**❍ केंद्र ने जारी किया आदेश, नरेश कुमार की लेंगे जगह।**

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1989 बैच के आईएएस अधिकारी धर्मेंद्र को 1 सितंबर से दिल्ली के नए मुख्य सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने नरेश कुमार का स्थान लिया, जिनका विस्तारित कार्यकाल 31 अगस्त को समाप्त हो रहा है। इससे पहले, धर्मेंद्र ने अरुणाचल प्रदेश के मुख्य सचिव के रूप में कार्य किया था। गृह मंत्रालय ने धर्मेंद्र को दिल्ली प्रशासन में शीर्ष पद सौंपते हुए स्थानांतरण की पुष्टि की। गृह मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर धर्मेंद्र के अरुणाचल प्रदेश से दिल्ली स्थानांतरण की घोषणा की। आदेश में कहा गया है कि धर्मेंद्र 1 सितंबर से या कार्यभार संभालने पर, जो भी बाद में आए, कार्यभार संभालेंगे। दिल्ली के मुख्य सचिव के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, 1987 बैच के आईएएस अधिकारी नरेश कुमार का आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के साथ विवादास्पद संबंध रहा है। केंद्र सरकार द्वारा दो बार दिया गया उनका सेवा विस्तार अगस्त के अंत में समाप्त होगा। पिछले साल, आप सरकार ने कुमार पर भूमि अधिग्रहण मामले में शामिल होने का आरोप लगाया था और आरोप लगाया था कि उनके कार्यों के परिणामस्वरूप हितधारकों को 897 करोड़ रुपये का अनुचित लाभ हुआ। ये आरोप दिल्ली की सतर्कता मंत्री आतिशी द्वारा सौंपी गई 670 पन्नों की रिपोर्ट पर आधारित थे।

## झारखंड में अगली सरकार हेमंत सोरेन के नेतृत्व में बनेगी : झामुमो

रांची (एजेंसी)। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने शुक्रवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'चालबाजी' के बावजूद राज्य में अगली सरकार हेमंत सोरेन के नेतृत्व में बनेगी। झामुमो का यह बयान पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के रांची में एक समारोह में भाजपा में शामिल होने के कुछ घंटों बाद आया है। झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, "भाजपा चालबाजी के बावजूद, अपने मिशन में सफल नहीं होगी। झारखंड में अगली सरकार हेमंत सोरेन के नेतृत्व में बनेगी।" झारखंड में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होना है। चंपई सोरेन के भाजपा में शामिल होने पर भट्टाचार्य ने कहा कि परिवार का कोई सदस्य छोड़कर जाता है, तो दुख होता है। उन्होंने कहा, "चंपई दा हमारे नेता रहे हैं, जिन्होंने अलग झारखंड राज्य के वास्ते आंदोलन में भूमिका निभाई।

# भ्रष्टाचारी अधिकारियों पर सीएम ने की कार्यवाई

**आठ मंडलों के 28 अधिकारियों पर गिरी गाज**

### चकबंदीकर्ता और चकबंदी लेखपाल को निलंबित करने के दिये निर्देश

प्रयागराज के ग्राम राजेपुर सराय अरजानी और प्रतापगढ़ के ग्राम धीमी का कार्य लक्ष्य के अनुसार पूर्ण न होने पर संबंधित सहायक चकबन्दी अधिकारी को चिन्हित कर अनुशासनिक कार्यवाही की गयी। जौनपुर के ग्राम तियरा का कार्य पूर्ण न होने पर सहायक चकबंदी अधिकारी संजय मौर्य के खिलाफ अनुशासनिक कार्यवाही एवं चकबन्दीकर्ता, चकबन्दी लेखपाल को चिन्हित कर निलंबित कर विभागीय कार्यवाही के निर्देश दिये गये। आजमगढ़ के ग्राम महुआ का कार्य पूर्ण न होने पर संबंधित सहायक चकबन्दी अधिकारी का स्पष्टीकरण एवं चकबन्दीकर्ता, चकबन्दी लेखपाल का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए अनुशासनिक कार्यवाही के निर्देश दिये गये।

लखनऊ (एजेंसी)। पद के दुरुपयोग, काम में लापरवाही और भ्रष्टाचार के खिलाफ योगी सरकार का चाबुक लगातार जारी है। सीएम योगी के आदेश के बाद चकबंदी विभाग में एक के बाद एक लापरवाह अधिकारियों पर गाज गिरने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में सीएम योगी के निर्देश पर चकबंदी संबंधी मामलों के निपटारे में लेटलतीफी, लापरवाही, अनियमितता पर आठ मंडल के दो दर्जन से अधिक चकबंदी अधिकारियों पर गाज गिरी है।

इसमें 13 बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी के खिलाफ निलंबन, जवाब–तलब और अनुशासनिक कार्रवाई की गयी है। वहीं एक उप संचालक चकबंदी अधिकारी को पद से हटाने के निर्देश दिये गये हैं, जबकि एक उप संचालक चकबंदी अधिकारी से लापरवाही पर जवाब तलब किया है। इसी तरह एक चकबंदी अधिकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई, एक सहायक चकबंदी अधिकारी का वेतन रोकने के साथ स्पष्टीकरण तलब किया गया है। इसके अलावा तीन सहायक चकबंदी अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गयी। इतना ही नहीं एक सेवानिवृत्त सहायक चकबंदी अधिकारी द्वारा सेवाकाल में अनियमितता पर पेंशन में 20 प्रतिशत की कटौती का प्रस्ताव शासन को भेजा गया। इसके अलावा कई अन्य के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की गई।

पेंशन में 20 प्रतिशत कटौती का प्रस्ताव शासन को भेजा

चकबंदी आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि सीएम योगी की मंशा के अनुरूप समय–समय पर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए विभाग की समीक्षा बैठक की जाती है। इसी क्रम में हाल ही में समीक्षा बैठक में कई अधिकारियों के काम में लापरवाही, अनियमितता और भ्रष्टाचार में लिप्त गतिविधियां पायी गई। इसकी रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजी गयी, जिस पर सभी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिये गये। इसी क्रम में आठ मंडल प्रयागराज, वाराणसी, मीरजापुर, आजमगढ़, गोरखपुर, बस्ती, अयोध्या और देवीपाटन के चकबंदी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

**सीएम नायब सैनी का आरोप**

# कांग्रेस पार्टी ने हरियाणा के विकास को रोका है

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत तेज है। यहां मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच माना जा रहा है। इन सब के बीच हरियाणा के सीएम और भाजपा नेता नायब सिंह सैनी ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि जब से मुझे हरियाणा के मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है, हमने लगातार हरियाणा के विकास के लिए काम किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने हरियाणा का विकास रोक दिया। उन्होंने कहा कि मुझे 51 दिनों तक हरियाणा की जनता की सेवा करने का मौका मिला और सरकार ने हरियाणा के विकास और कल्याण के लिए 126 फैसले लिए।

सैनी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी यह भ्रम फैला रही है कि भाजपा सरकार ने हरियाणा के विकास के लिए कुछ नहीं किया। वहीं, भाजपा की हरियाणा इकाई के अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र की लडवा सीट से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। करनाल में रोडशो से इतर पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए सैनी ने कहा कि मैं करनाल से भी चुनाव लड़ूंगा, आप चिंतित क्यों हैं। जब सैनी से पूछा गया कि क्या वह दो सीट से नामांकन पत्र दाखिल करेंगे तो मुख्यमंत्री ने सीधा जवाब देने से बचते हुए कहा कि मैं करनाल से चुनाव लड़ूंगा।

# महिला व पुरुष काव्य गोष्ठी के साथ हुआ विशेषांक का लोकार्पण

प्रयागराज। कर्नलगंज स्थित शहर समता विचार मंच के तत्त्वावधान महिला काव्य गोष्ठी के साथ पुरुष काव्य गोष्ठी में पढ़ी गई कविताओं पर आधारित विशेषांक का लोकार्पण हुआ। संपादकीय वाचन शहर समता के संपादक उमेश श्रीवास्तव ने किया। इसके पूर्व महिला काव्य गोष्ठी की राष्ट्रीय अध्यक्षा रचना सक्सेना ने सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता शिवराम उपाध्याय मुकुल मतवाला, मुख्य आतिथ्य प्रेमा राय, तथा विशिष्ट आतिथ्य ऊषा मिश्रा ने किया।

काव्य गोष्ठी की शुरुआत पं. राकेश मालवीय मुस्कान के श्रीकृष्ण के जन्म पर आधारित गीत से हुई। प्रभंजन त्रिपाठी, डाक्टर मंजू प्रकाश ने अत्यन्त भावपूर्ण काव्य पाठ, संजय सक्सेना, डॉ कल्पना वर्मा, रचना सक्सेना, हीरालाल पाण्डेय, मुक्तक सम्राट रामकैलाश पाल प्रयागी, शम्भूनाथ श्रीवास्तव, अनामिका तिवारी, वीरेन्द्र कुमार तिवारी ने सुन्दर काव्य पाठ से एक शानदार समां बाँध दिया। कार्यक्रम का भावपूर्ण संचालन उमेश श्रीवास्तव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन मंजू प्रकाश ने किया।

## सार संक्षेप

### केंद्रीय कानून को सख्ती से लागू करें बंगाल सरकार : अन्नपूर्णा देवी

नई दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लिखे एक पत्र में कहा है कि राज्य में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध रोकने के लिए केंद्रीय कानूनों को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि दुष्कर्म और महिलाओं के खिलाफ अन्य अपराधों के शीघ्र निपटान के लिए केंद्रीय कानून द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए। केंद्रीय मंत्री का सुश्री बनर्जी को कोलकाता दुष्कर्म मामले के संदर्भ यह दूसरा पत्र है। इससे पहले सुश्री बनर्जी केंद्रीय कानून को सख्त बनाने की मांग करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दो पत्र लिख चुकी हैं। श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने दूसरे पत्र का जवाब देते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री द्वारा प्रदान किये गये आंकड़े तथ्यात्मक रूप से गलत है और राज्य की ओर से "देरी को छिपाने का प्रयास" है।

### केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पर हमले की कोशिश

पटना। केंद्रीय कपड़ा मंत्री और सांसद गिरिराज सिंह पर हमले की कोशिश की गई है। दरअसल, बेगुसराय के बलिया प्रखंड में जनता दरबार के दौरान गिरिराज सिंह लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। इसी दौरान सफेद टोपी पहने एक शख्स वहां पहुंचा, पहले उसने माइक संभाला और कुछ अनाप–शनाप बोला। इसके बाद वहां मौजूद बीजेपी नेताओं ने विरोध किया। हालांकि, इसका उसपर कोई असर नहीं हुआ। वह गिरिराज सिंह के और पास गया तथा उन्हें मुक्का मारने की कोशिश की। वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। युवक की पहचान मो सैफी के रूप में हुई है। वह वार्ड पार्षद भी बताया जाता है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। इस घटना पर गिरिराज ने कहा कि मैं ऐसी घटनाओं से डरने वाला नहीं हूं। लेकिन राहुल गांधी और अखिलेश यादव जैसे लोग वोट के लिए इस आदमी के समर्थन में खड़े होंगे क्योंकि इसकी दाढ़ी है। घटना बलिया प्रखंड की है।

### कोर्ट ने आरोपियों को सीबीआई हिरासत में भेजा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली कोचिंग सेंटर में हुई मौतों के मामले में सभी छह आरोपियों को सीबीआई हिरासत में भेज दिया है। अदालत ने मामले के सिलसिले में गिरफ्तार सभी छह व्यक्तियों को चार दिन की सीबीआई हिरासत में भेजने का आदेश दिया। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट निशांत गर्ग ने अभिषेक गुप्ता, देशपाल सिंह, तजिंदर सिंह, हरविंदर सिंह, सरबजीत सिंह और परविंदर सिंह को 4 सितंबर तक हिरासत में भेज दिया। न्यायधीश ने कहा कि आवेदन में प्रस्तुतियाँ और विशेष रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के 2 अगस्त, 2024 के आदेश के संदर्भ में जांच के दायरे को ध्यान में रखते हुए, जांच के उद्देश्य और भूमिका का पता लगाने के लिए आरोपी व्यक्तियों से हिरासत में पूछताछ आवश्यक होगी। विभिन्न व्यक्तियों द्वारा खेला गया जो भ्रष्ट आचरण या आपराधिक लापरवाही में शामिल हो सकते हैं।

# अस्पतालों में रेडियोलॉजिस्ट की कमी पर महानिदेशक तलब

## इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश के जिला अस्पतालों में रेडियोलॉजिस्ट की कमी पर मांगा है स्पष्टीकरण

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नौकरशाही की अक्षमता को उजागर करने वाली एक कटु टिप्पणी में उत्तर प्रदेश के चिकित्सा स्वास्थ्य महानिदेशक को राज्य भर के जिला अस्पतालों में रेडियोलॉजिस्ट की कमी के बारे में स्पष्टीकरण देने के लिए तलब किया है। न्यायालय ने एक आपराधिक मामले से संबंधित जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद स्थिति को "लालफीताशाही दृष्टिकोण का एक उत्कृष्ट उदाहरण" करार दिया, जिसमें रेडियोलॉजिस्ट की अनुपस्थिति के कारण पीड़िता की चिकित्सा जांच में काफी देरी हुई थी।

यह मामला प्रकाश कुमार गुप्ता द्वारा दायर जमानत याचिका से जुड़ा है, जिस पर भारतीय दंड संहिता की धारा 363, 366 और 376 (3) तथा यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पाक्सो) अधिनियम की धारा 5–एल और 6 के तहत आरोप लगाया गया।

याची प्रकाश कुमार गुप्ता पर आरोप है कि उसने 16 मार्च, 2023 को सहतवार, जिला बलिया से 13 वर्षीय नाबालिग लड़की का अपहरण किया और उसके बाद उसका उसका यौन उत्पीड़न किया। कथित घटना के एक दिन बाद एफआईआर दर्ज की गई थी, और अपराध के समय का कोई विशेष उल्लेख नहीं था। अदालत के निर्देश पर किए गए पीड़िता के अस्थि भंग (आसिफिकेशन ) परीक्षण से पता चला कि उसकी उम्र 19 वर्ष थी, जो कि उसके नाबालिग होने के शुरुआती दावे का खंडन करता है। इस विसंगति ने पाक्सो अधिनियम लगाने के बारे में सवाल खड़े किए, जो केवल नाबालिगों पर लागू होता है।

न्यायमूर्ति कृष्ण पहल ने कई महत्वपूर्ण कानूनी प्रश्नों की जांच की तथा कोर्ट ने अपने आदेश में इस बात पर प्रकाश डाला कि पाक्सो अधिनियम 18 वर्ष से कम आयु के नाबालिगों को यौन शोषण से बचाने के लिए बनाया गया था। हालांकि, इस मामले में अस्थि भंग परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर पीड़िता की आयु 19 वर्ष पाई गई। न्यायालय ने पाया कि इस अधिनियम के अंतर्गत आने के लिए पीड़िता की आयु गलत बताने से आरोपी को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं, जिसमें गलत कारावास भी शामिल है।

पाक्सो एक्ट नाबालिगों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है। लेकिन इस मामले में, मुखबिर द्वारा दी गई झूठी जानकारी के कारण इसका दुरुपयोग किया गया है। अदालत ने कहा ष्यह दुरुपयोग न केवल आवेदक को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि कानूनी प्रणाली और पाक्सो अधिनियम की विश्वसनीयता और अखंडता को भी कमजोर करता है।ष

न्यायमूर्ति पहल ने इस सिद्धांत को दोहराया कि जमानत नियम है और जेल अपवाद है। उन्होंने जया माला बनाम जम्मू–कश्मीर राज्य और मनीष सिसोदिया बनाम प्रवर्तन निदेशालय जैसे मामलों में सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला दिया, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया है कि सजा के तौर पर जमानत नहीं रोकी जानी चाहिए।

अदालत ने कहा, "अब समय आ गया है कि अदालतें इस सिद्धांत को स्वीकार करें कि 'जमानत एक नियम है और जेल एक अपवाद है'।"

हाईकोर्ट ने जिला अस्पतालों में रेडियोलॉजिस्ट उपलब्ध कराने में असमर्थता के लिए राज्य सरकार के अधिकारियों की आलोचना की तथा कहा इसके कारण पीड़िता की आयु निर्धारित करने के लिए आवश्यक अस्थि भंग परीक्षण में देरी हुई।

जांच के लिए पीड़िता को दूसरे स्थान पर ले जाना पड़ा

कोर्ट ने कहा, बलिया के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को अन्य जिलों में परीक्षण की व्यवस्था करनी पड़ी, जिससे पीड़िता को और अधिक आघात पहुंचा। न्यायमूर्ति पहल ने कहा, ष्रेडियोलॉजिस्ट की अनुपलब्धता के कारण पीड़िता को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया गया। कोर्ट ने कई मामलों में पाया है कि राज्य भर के विभिन्न जिलों में रेडियोलॉजिस्ट तैनात नहीं हैं।ष

अदालत ने याची प्रकाश कुमार गुप्ता की जमानत याचिका स्वीकार करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष ऐसी असाधारण परिस्थितियां स्थापित करने में विफल रहा है, जिसके कारण जमानत देने से इनकार किया जा सके। अदालत ने उन्हें व्यक्तिगत मुचलके और दो जमानतदारों पर रिहा करने का निर्देश दिया। साथ ही मुकदमे की कार्यवाही के दौरान उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए कुछ विशेष शर्तें भी रखीं हैं।

रेडियोलॉजिस्टों की कमी को लेकर अदालत ने कई उच्च–स्तरीय अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया है। जिनमें महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, उत्तर प्रदेश, अपर निदेशक, स्वास्थ्य, आजमगढ़, वाराणसी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी शामिल हैं।

अदालत ने महानिदेशक को एक हलफनामा दायर करने का भी आदेश दिया, जिसमें विभिन्न जिलों में तैनात रेडियोलॉजिस्टों की संख्या, उनकी योग्यता और सरकारी कोटे से उन्हें किस हद तक लाभ मिल रहा है, उसके बारे में विस्तृत जानकारी देने को कहा है। चिकित्सा स्वास्थ्य महानिदेशक को तलब करने का न्यायालय का आदेश तब आया जब यह पता चला कि रेडियोलॉजिस्ट की अनुपस्थिति के कारण पीड़िता की चिकित्सा जांच में काफी देरी हुई थी। पीड़िता को पहले वाराणसी और फिर आजमगढ़ ले जाया गया, लेकिन प्रशासनिक लालफीताशाही के कारण उसे बार–बार मना कर दिया गया और देरी हुई।

इस मामले की अगली सुनवाई 27 सितंबर, 2024 को होगी। अदालत ने हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार अनुपालन को संबंधित अधिकारियों को सूचित करने को निर्देश दिया है ताकि वे निर्धारित तिथि पर उपस्थित हों।

## प्रयागराज में आज कांग्रेसियों का विरोध प्रदर्शन

### भाजपा सांसद कंगना रनौत द्वारा किसानों पर दिए गए बयान पर आक्रोश

प्रयागराज। भाजपा सांसद कंगना रनौत द्वारा किसानों पर

दिये बयान पर आक्रोशित कांग्रेसी आज शनिवार को प्रयागराज में विरोध प्रदर्शन करेंगे। प्रदेशव्यापी विरोध प्रदर्शन के क्रम में कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ता दोपहर बाद सिविल लाइंस स्थित धरना स्थल पर पहुंचेंगे। यहां कंगना रनौत द्वारा दिए गए बयान पर माफी मांगने की मांग की जाएगी। जिलाध्यक्ष सुरेश यादव के नेतृत्व में कांग्रेसी विरोध प्रदर्शन के लिये यहां जुटेंगे।

## उपचुनाव के लिए फूलपुर में सीएम योगी का दौरा

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सितंबर के पहले सप्ताह में प्रयागराज के फूलपुर क्षेत्र में आ सकते हैं। हालांकि अभी उनके आने की तारीख तय नहीं है। लेकिन, संकेत मिलने के बाद अधिकारी तैयारियों में जुट गए हैं। योगी यहां करीब 15 हजार छात्रों को टैबलेट व स्मार्टफोन वितरित करेंगे। यहां आयोजित होने वाले रोजगार मेले का उद्घाटन भी करेंगे। जनवरी में आयोजित होने वाले महाकुंभ के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण भी कर सकते हैं और संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी करने की बात कही जा रही है। यहां करीब तीन घंटे तक वह रहेंगे। बीते लोकसभा चुनाव में फूलपुर सीट पर कमल खिलाने में प्रवीण पटेल सफल रहे। इसी विधानसभा सीट से प्रवीण विधायक रहे। अब उनके सांसद बनने के बाद अब विधानसभा का उपचुनाव होगा। उपचुनाव के पहले सीएम योगी का फूलपुर क्षेत्र में आना अहम माना जा रहा है। वह उपचुनाव को लेकर भी यहां के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ मंथन कर सकते हैं।


**दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा जम्मू मेल का सूबेदारगंज तक विस्तार**

**भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये गाड़ी सं. 14033/14034 दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा जम्मू मेल (दैनिक) का सूबेदारगंज तक विस्तार/बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। यह रेलगाड़ी श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से दिनांक 04.09.2024 को चलकर दिनांक 05.09.2024 को सूबेदारगंज स्टेशन पहुँचेगी तथा दिनांक 05.09.2024 से दिल्ली के स्थान पर सूबेदारगंज स्टेशन से संचालित होगी। जिसका विवरण निम्नवत् है:-**

| वर्तमान | विस्तारित | स्टेशन | वर्तमान | विस्तारित |
|---|---|---|---|---|
| 14034 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-दिल्ली जम्मू मेल | गाड़ी सं. 14034 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-सूबेदारगंज जम्मू मेल (श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से नई गाड़ी सं. 20434 के रूप में दिनांक 04.01.2025 से चलेगी) | | 14033 दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा जम्मू मेल | गाड़ी सं. 14033 सूबेदारगंज-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा जम्मू मेल (सूबेदारगंज से नई गाड़ी सं. 20433 के रूप दिनांक 04.01.2025 से चलेगी) |
| आगमन-प्रस्थान समय | | | आगमन-प्रस्थान समय | |
| प्रस्थान 15.20 | प्रस्थान 15.20 | श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा | आगमन 09.15 | आगमन 09.15 |
| आगमन 04.30 | 04.05-04.20 | दिल्ली जं. | प्रस्थान 20.05 | 19.50-20.05 |
| | 06.08-06.10 | अलीगढ़ | | 17.08-17.10 |
| | 07.06-07.08 | टूंडला | | 15.58-16.00 |
| | 09.25-09.30 | गोविंदपुरी | | 13.10-13.15 |
| | 10.25-10.27 | फतेहपुर | | 11.40-11.42 |
| | आगमन 12.35 | सूबेदारगंज | | प्रस्थान 10.35 |

गाड़ी संरचना - सामान्य श्रेणी- 04 स्लीपर श्रेणी- 07, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 02 एवं वातानुकूलित प्रथम श्रेणी- 01

नोटः- गाड़ी सं. 14033/14034 के समय एवं ठहराव में दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा के मध्य कोई परिवर्तन नहीं होगा।

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad. indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

**उत्तर मध्य रेलवे**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1554/24 (A)


# प्रयागराज में ठगी का गजब कारोबार

## पहले झांसा देकर शादी कराते, विदाई के बाद दुल्हन और गहने समेत भाग जाते

प्रयागराज। प्रयागराज में पुलिस ने शुक्रवार शाम को एक गिरोह का भंडाफोड़ किया। 4 पुरुष और 5 महिलाओं को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह शादी का झांसा देकर बाहरी व्यक्तियों को बुलाता था और फिर उनका कीमती सामान, नकदी और आभूषण लूट लेता था। पुलिस ने इनके कब्जे से लूट का सोने 1 मंगलसूत्र, 1 हार, 1 जोड़ी कान का झाला, चांदी का 1 जोड़ी पायल, 1 जोड़ी बिछिया , 1 मोबाइल फोन और 5500 रुपए नकद बरामद किए हैं।

गिरफ्तारी की कार्रवाई दिनांक 30 अगस्त की शाम को की गई। गिरफ्तार आरोपियों में मोनू भारतीय (28), सौरभ प्रजापति (25 वर्ष), आशीष भारतीया (18 वर्ष), भानु (20), काजल भारतीया (22), मानसी शर्मा (19), गौरी, सरोज और प्रीति शामिल हैं। ये सभी प्रयागराज के ही धूमनगंज थाना क्षेत्र और आस–पास के इलाकों के रहने वाले हैं। पुलिस ने

इन्हें नैनी यमुना पुल के नीचे वाली सड़क पर फ्लोरिडा के पास से गिरफ्तार किया।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि वे लोगों को शादी कराने के बहाने बुलाते थे और गैंग की अन्य लड़कियों की फोटो दिखाकर शादी की फर्जी रस्में पूरी करते थे। विदाई के बाद दुल्हन के साथ जाते समय ये गिरोह लोगों को रोककर उनका कीमती सामान, पैसा और आभूषण लूट लेते थे।

इस तरह की कई घटनाओं को वे पहले भी अंजाम दे चुके हैं, लेकिन कभी पकड़े नहीं गए थे। आज भी वह नैनी यमुना ब्रिज के नीचे ऐसी ही एक घटना को अंजाम देने के फिराक में थे तभी इंस्पेक्टर नहीं वैभव सिंह की टीम ने इन्हें दबोच लिया।

# माफिया अतीक की सात करोड़ की बेनामी संपत्ति कुर्क करने को भेजी रिपोर्ट, नैनी में है बेशकीमती भूमि

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद व अशरफ की सात करोड़ की एक और बेनामी संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। नैनी स्थित इस जमीन को अतीक ने अपने दो करीबी भाइयों के नौकर के नाम पर खरीदा था। रिपोर्ट भेजकर पुलिस आयुक्त न्यायालय से कुर्की की कार्रवाई की अनुमति मांगी गई है।

इस संपत्ति का खुलासा इसी साल अप्रैल में हुआ था। नवाबगंज के करोली निवासी श्याम जी सरोज ने पुलिस को बताया कि अतीक–अशरफ ने उसके नाम पर बेनामी संपत्तियां बनाईं। बताया कि वह अतरसुइया निवासी दो सगे भाई जावेद व कामरान के घर में सफाईकर्मी का काम करता था, जो अतीक–अशरफ के करीबी रहे। माफिया की बेनामी संपत्ति बनाने में दोनों ने उसका इस्तेमाल किया। उसके नाम पर जमीन का बैनामा 2021 में करा दिया। जबकि तब वह महीने में मात्र आठ हजार रुपये ही पगार पाता था।

बैनामे से पहले उसे बंधक बनाकर पीटा गया और कागजात पर दस्तखत कराए गए। यह भी आरोप लगाया कि अतीक–अशरफ की मौत के बाद दोनों भाई उक्त संपत्तियों को अपने नाम लिखाने का दबाव श्याम जी पर बना रहे थे। इस मामले में अतरसुइया पुलिस ने कुल चार के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया। श्याम जी के नाम पर कुल पांच जमीनों का सौदा किया गया। जिनमें से तीन नैनी के अरैल स्थित मीरखपुर उपरहार व दो फूलपुर और हंडिया में स्थित हैं।

पत्रावलियों की जांच में सही मिले आरोप

पुलिस अफसरों ने बताया कि इनमें से अरैल स्थित 0.6475 हेक्टेयर जमीन की पत्रावलियों की जांच से पाया गया कि उक्त संपत्तियां श्याम जी सरोज की हैं। इन संपत्तियों को अपराध से अर्जित मानकर इन्हें कुर्क करने के संबंध में रिपोर्ट पुलिस आयुक्त न्यायालय में भेजी गई है। डीसीपी नगर दीपक भूकर ने बताया कि अनुमति मिलते ही इन्हें कुर्क किया जाएगा।

## PCS&J के संशोधित परिणाम में 2 चयनित, 2 हुए बाहर

### उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से वेबसाइट पर जारी किया गया है रिजल्ट

प्रयागराज। PCS&J 2002 का संशोधित अंतिम परिणाम उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से जारी कर दिया गया है। वेबसाइट पर जारी किए गए परिणाम में 303 पदों पर चयनित अभ्यर्थियों की सूची भी जारी कर दी गई है। इस संशोधित परिणाम में 2 नए अभ्यर्थी घोषित किए गए हैं जबकि पूर्व में चयनित हुए 2 अभ्यर्थियों का चयन निरस्त कर दिया गया है।

जानिए, क्या है पूरा मामला

दरअसल, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने पिछले वर्ष 30 अगस्त को UPPCS&J 2022 के 303 पदों में से 302 का अंतिम परीणाम जारी किया था। परीक्षा में शामिल अभ्यर्थी श्रवण पांडेय ने मुख्य परीक्षा में मिले अंकों पर असंतोष जाहिर किया और इस प्रकरण में उन्होंने आरटीआई लगा दी थी।

कापी देखने के बाद पता चला कि उत्तर पुस्तिका में हैंडराइटिंग ही बदल गई है। इसी को आधार बनाकर श्रवण ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी।

कोर्ट के निर्देश पर मामले की जांच कराई गई तो पता चला कि 25–25 के बंडल में रखी गई मुख्य परीक्षा की कापियों का बंडल बदल गया था। इसमें कुल 50 अभ्यर्थी प्रभावित हुए थे।

आयोग ने अभ्यर्थियों को बुलाकर दिखाई थी कापियां

आयोग ने मुख्य परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों को बुलाकर जुलाई के अंत तक उनकी कापियां दिखाई। इसके बाद 17 अगस्त को संशोधित परिणाम जारी करते हुए 5 उन अभ्यर्थियों को सफल किया था जो योग्य होते हुए भी इंटरव्यू में शामिल नहीं हो सके थे। उनका इंटरव्यू कराने के बाद शुक्रवार देर शाम अंतिम परिणाम घोषित किया गया है। इसमें यह पांचों अभ्यर्थी असफल रहे।

## ट्रेंड हुए प्रयागराज के 50 स्पेशल एजुकेटर

### दिव्यांग बच्चों को मिलेगा इसका लाभ, समापन पर एजुकेटरों को मिला प्रमाण–पत्र

प्रयागराज। प्रयागराज के समग्र शिक्षा (समेकित शिक्षा) के अंतर्गत स्पेशल एजुकेटर का चार दिवसीय सेवारत प्रशिक्षण

कालेज ऑफ टीचर एजुकेशन सिविल लाइंस संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी के निर्देशन में आयोजित किया गया।

आज शनिवार को प्राचार्य अशोक कुमार यादव, प्रवक्ता वर्चस्विनी जौहर एवं समेकित शिक्षा के जिला समन्वयक विकास पांडेय द्वारा सभी स्पेशल एजुकेटर को प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र वितरित किया गया। प्राचार्य ने प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने वाले सभी प्रशिक्षार्थी एवं प्रशिक्षुकों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप सभी के प्रयास से आज दिव्यांग बच्चे शिक्षा एवं अन्य सरकारी योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं,जो सराहनीय कार्य है। इस प्रशिक्षण में आपने जो कुछ भी नया सीखा है यह दिव्यांग बच्चों को समर्थवान बनाने में सहायक होगी। इस चार दिवसीय सेवारत प्रशिक्षण में 50 स्पेशल एजुकेटरों ने प्रतिभाग किया।

## प्रयागराज में 90 ट्रकों का मालिक अरेस्ट

### फर्जी रजिस्ट्री कराकर चला रहा था ट्रांसपोर्ट, रेलवे स्टेशन पर दौड़ाकर पकड़ा

प्रयागराज। प्रयागराज में पुलिस ने डीजल कारोबारी और ट्रांसपोर्टर राजकुमार जायसवाल को गिरफ्तार कर लिया। 2021 के मामले में राजकुमार जायसवाल वांछित चल रहे थे। मामला नैनी बाजार के पंजाबी हाता में रहने वाले प्रकाश खेड़ा से जुड़ा है, जिन्होंने 2021 में न्यायालय के जरिए धारा 156(3) के तहत राजकुमार जायसवाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। काश खेड़ा का आरोप था कि राजकुमार जायसवाल ने कूट रचित दस्तावेज के जरिए धोखाधड़ी करते हुए

उनके मकान की रजिस्ट्री करवा ली और घर में घुसकर गाली–गलौज करने के साथ ही जान से मारने की धमकी दी थी। नैनी थाने में प्रकाश खेड़ा की तहरीर पर पुलिस ने राजकुमार जायसवाल के खिलाफ मुकदमा किया था। दरोगा भूपेन्द्र प्रताप सिंह चौहान और उनकी टीम ने मुखबिर की सूचना पर नैनी रेलवे स्टेशन की ओर जाते समय धर दबोचा। गिरफ्तारी से क्षेत्र में चर्चित इस मामले में एक महत्वपूर्ण मोड़ आया है और पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। इंस्पेक्टर वैभव सिंह ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर पुलिस मुकदमा दर्ज करके विवेचना कर रही थी। विवेचना में आप सत्य पाए जाने के बाद यह गिरफ्तारी की गई है। राजकुमार जायसवाल डीजल कारोबारी के साथ–साथ ट्रांसपोर्टर भी हैं। वह इससे पहले नकली और मिलावटी मूवी आल बेचने के पकड़ने भी जेल जा चुका है।

# पुलिस अधीक्षक, प्रतापगढ़ डा. अनिल कुमार का अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ कड़ा एक्शन

प्रतापगढ़ पुलिस द्वारा अपराध व अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही जारी

हर्ष फायरिंग में लाइसेंसी बंदूक से फायर करके एक व्यक्ति को घायल करने से संबंधित 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना कुण्डा पुलिस टीम द्वारा थानाक्षेत्र के रोड़बेज बस अड्डा के पास से अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया

घटना का संक्षिप्त का विवरण–

दिनांक 16.10.2023 को अरोपी द्वारा हर्ष फायरिंग के दौरान एक व्यक्ति के उपर लाइसेंसी बंदूक से फायर कर उसको घायल कर दिया गया था। वादी की प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना कुण्डा में मु0अ0सं0 381/2023 धारा 307 भादवि व 25(9)/30 आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया था।

पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ डॉ0 अनिल कुमार' द्वारा अभियुक्त वांछित अपराधी की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत व 'अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी श्री संजय राय एवं क्षेत्राधिकारी कुण्डा श्री अजीत सिंह' के कुशल पर्यवेक्षण में 'प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र सिंह के नेतृत्व में उ0नि0 श्री रविशंकर तिवारी मय हमराह कां0 विनोद कुमार कां0 अतुल कुमार' द्वारा अभियुक्त रामअभिलाख पुत्र दरगाही निवासी ग्राम गडेहरी विक्रमपुर थाना लीलापरु जनपद प्रतापगढ़ हालपता कोतवाली देहात जनपद प्रतापगढ़ को दिनांक 31.08.2024 को थानाक्षेत्र कुण्डा के रोड़बेज बसअड्डा कस्बा कुण्डा के पास गिरफ्तार किया गया।

अभियुक्त रामअभिलाख को मु0अ0सं0 381/2023 धारा 307 भादवि व 25(9)/30 आर्म्स एक्ट में गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष अग्रिम कार्यवाही हेतु पेश किया जा रहा है।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण–

रामअभिलाख पुत्र दरगाही निवासी ग्राम गडेहरी विक्रमपुर थाना लीलापरु जनपद प्रतापगढ़ हालपता कोतवाली देहात जनपद प्रतापगढ़।

गिरफ्तार करने वाली टीमः–

उ0नि0 श्री रविशंकर तिवारी मय हमराह कां0 विनोद कुमार कां0 अतुल कुमार थाना कुण्डा जनपद प्रतापगढ़।

## एक प्रेरक व्याख्यान का आयोजन

प्रयागराज। चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय प्रयागराज के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा दिनांक 30 अगस्त 2024 को परास्नातक (MA I Sem- & MA III Sem-) छात्र एवं छात्राओं के लिए एक प्रेरक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य

अतिथि प्रो० किरन सिंह, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय रही और कार्यक्रम की अध्यक्षता संयोजक अर्थशास्त्र विभाग द्वारा किया गया। अपने व्याख्यान में, प्रो० किरन सिंह ने सभी छात्र एवं छात्राओं को उनके परास्नातक पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन प्रणाली के बारे में विस्तार से चर्चा किया। व्यतिगत विकास की परिचर्चा के साथ साथ प्रतियोगी परीक्षाओं में अर्थशास्त्र की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए प्रो० किरन सिंह ने छात्र एवं छात्राओं को उनके कैरियर से संबन्धित प्रश्नों का निराकरण किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ रविन्द्र प्रताप सिंह, संयोजक, अर्थशास्त्र विभाग द्वारा दिया गया। उक्त कार्यक्रम में डॉ सत्येन्द्र कुमार, डॉ दीप्ति समान्तराय, डॉ अनिल कुमार, डॉ अमरजीत यादव, डॉ प्राची, विभाग के सभी शोधार्थी एवं परास्नातक छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

## जन्माष्टमी पर बल गोकुलम कार्यक्रम आयोजित

प्रयागराज। संस्कार भारती प्रयागराज महानगर इकाई के तत्वाधान में नटखट प्री–स्कूल ,मुंडेरा में जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित ष्बाल गोकुलमष् कार्यक्रम के अंतर्गत 20 बच्चों ने राधा–कृष्ण का स्वरूप लेकर एकल–युगल एवं समूह नृत्य प्रस्तुत किये ।इकाई के अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार मिश्र ने सभी बच्चों को पुरस्कार प्रदान किये ।प्रिंसिपल ओंकार साहू ने अतिथिगण का स्वागत,चित्रा बनर्जी ने आभार एवं अनीता–वंशिका ने मंच संचालन तथा नैतिक सोनी ने सहयोग किया।

## पत्रकार देवेद्रं के पिता जी के तेरहवी मे शामिल हुए एनयूजे प्रयागराज की टीम

प्रयागराज। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट के प्रयागराज इकाई के पूर्व कोषाध्यक्ष तथा पत्रकार देवेद्रं त्रिपाठी के पिता जी के आज तेरहवी

संस्कार पैतृक आवास नबाबगंज मे आयोजित की गयी थी जिसमे नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट प्रयागराज जिला इकाई के जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव के नेतृत्व मे एनयूजे प्रयागराज के पदाधिकारियो की टीम पैतृक आवास नबाबगंज मे तेरहवी कार्यक्रम मे शामिल होकर अपनी श्रदाजँली दी । श्री त्रिपाठी के पिता जी का 19अगस्त को एक मार्ग दुर्घटना मे निधन हो गया था । तेरहवी कार्यक्रम शामिल होने तथा श्रदाजँली देने वालो मे कमल श्रीवास्तव कुन्दन श्रीवास्तव अखिलेश शुक्ला आमिर अंसारी मधुर दरबारी अनूप रावत अमरजीत सिह शाह आलम आदि पदाधिकारी तथा सदस्य शामिल थे ।


**विशेष रेलगाड़ियों का संचालन**

भारतीय रेल प्रशासन द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, विशेष रेलगाड़ियों के संचालन एवं फेरों को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। निम्न विशेष रेलगाड़ियाँ अपने पूर्व निर्धारित मार्ग, समय, ठहराव, संरचना एवं दिनों पर चलेंगी । जिसका विवरण निम्नवत हैः-

अ. विशेष रेलगाड़ी का संचालन

गाड़ी संख्या : 05069/05070 छपरा जं0-पनवेल-छपरा जं0 त्यौहार विशेष रेलगाड़ी

| 05069-छपरा जं0-पनवेल | | | 05070-पनवेल-छपरा जं0 | |
|---|---|---|---|---|
| आगमन | प्रस्थान | स्टेशन | आगमन | प्रस्थान |
| ---- | 13:15 (शनि.) | छपरा जंक्शन | 11:35 (मंगल.) | ---- |
| 21:15 | 21:17 | मिर्ज़ापुर | 02:08 | 02:10 |
| 23:00 | 23:05 | प्रयागराज छिवकी जं0 | 23:50 | 23:55 |
| 02:18 | 02:20 | मानिकपुर जंक्शन | 22:10 | 22:15 |
| 22:00 (रवि.) | ---- | पनवेल | ---- | 23:20 (रवि.) |

• छपरा जंक्शन से गाड़ी संख्या 05069 शनिवार को दिनांक : 21.09.2024 से 30.11.2024 • पनवेल से गाड़ी संख्या 05070 रविवार को दिनांक : 22.09.2024 से 01.12.2024

गाड़ी संरचना : - कुर्सीयान-05 (अनारक्षित), स्लीपर श्रेणी-05, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी (इकोनॉमी)-10

ब. विशेष रेलगाड़ियों के फेरों में विस्तार

| गाड़ी सं. | स्टेशन से - तक | संचालन का दिन | अधिसूचित तिथि तक | विस्तारित तिथि |
|---|---|---|---|---|
| 05289 | मुज़फ़्फ़रपुर जं0 - पुणे जं0 | शनिवार | 31.08.2024 | 07.09.2024-28.09.2024 |
| 05290 | पुणे जं0 - मुज़फ़्फ़रपुर जं0 | सोमवार | 02.09.2024 | 09.09.2024-30.09.2024 |
| 05557 | रक्सौल जं0 - लोकमान्य तिलक ट. | मंगलवार | 27.08.2024 | 03.09.2024-24.09.2024 |
| 05558 | लोकमान्य तिलक ट.- रक्सौल जं0 | गुरुवार | 29.08.2024 | 05.09.2024-26.09.2024 |

नोट : ट्रेन समय-सारणी सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें

उत्तर मध्य रेलवे 1548/24 (C)

@CPRONCR North central railways @cpronerly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in


## बाबा भयहरणनाथ धाम में 5 सितम्बर को

### सामाजिक भन्डारा का होगा भव्य आयोजन
### 6 सितम्बर को होगा परम्परागत तीज उत्सव/भाग लेंगी हजारों महिलाएं
### सुव्यवस्था हेतु डीएम व एस पी को प्रबन्ध समिति ने भेजा आग्रह पत्र

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में आगामी 5 सितम्बर को गत वर्षों की भांति विशाल सामाजिक भन्डारे का भव्य आयोजन जन सहयोग तथा लोक भागीदारी से होगा। वहीं 6 सितम्बर को परम्परागत तीज उत्सव में हजारों निर्जला ब्रती महिलाए प्रतिभाग करके देवाधिदेव भयहरण महादेव की पूजा व आराधना करेगीं। दोनों महत्वपूर्ण आयोजनों के सन्दर्भ में धाम के प्रबन्ध समिति की ओर से महासचिव ने जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक महोदय को आग्रह पत्र भेजकर सुव्यवस्था हेतु आवश्यक सहयोग व मार्गदर्शन की मांग की है।

यह जानकारी देते हुए धाम के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि गत वर्षों की भांति परम्परागत सामाजिक भन्डारा बाबा भयहरणनाथ धाम में

मुख्यपुजारी श्री भोला नाथ तिवारी के संयोजन में 5 सितम्बर 2024 को दोपहर 12 बजे से देर रात्रि तक आयोजित होगा। जिसमें लगभग 15 से 20 हजार लोग प्रतिभाग करेगें। वहीं 6 सितम्बर 2024 को दोपहर 12 बजे से देर रात्रि तक परम्परागत तीज उत्सव का महापर्व मनाया जायेगा। जिसमें 10 से 15 हजार निर्जला ब्रती महिलाएं देवाधिदेव भयहरण महादेव का विधिवत पूजन व आराधना करेगीं । वहीं कार्यालय प्रभारी श्री संजीव मिश्र नीरज के देखरेख में धाम की कीर्तन मन्डली के संयोजन में सामूहिक रूप से 2 सितम्बर को अखण्ड शिव नाम जप होगा। 3 व 4 सितम्बर को अखण्ड श्री राम चरित मानस का पाठ होगा। तदोपरान्त 5 सितम्बर को सामाजिक भन्डारा व 6 सितम्बर को तीज महापर्व का आयोजन परम्परागत तरीके से होगा। इस सम्बन्ध में महासचिव समाज शेखर ने भयहरणनाथ धाम प्रतापगढ के पदेन मुख्य संरक्षक जिलाधिकारी संजीव रंजन जी व पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार जी से दोनों आयोजनों में आवश्यक सहयोग व सुव्यवस्था हेतु अनुरोध किया है। वही अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल व कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह के माध्यम से प्रबन्ध समिति सहित सभी उपसमितियों के सदस्यों व पदाधिकारियों को भी सहयोग हेतु दिशा निर्देश जारी हुए हैं।

## पांच दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स का आज हुआ समापन

प्रयागराज। आज ईश्वर शरण महाविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी. के संयुक्त तत्वावधान में डेटा मैनेजमेंट एंड एनालिसिस इन क्वांटिटेटिव रिसर्च विषय पर आयोजित पांच दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स का समापन किया गया। इस सर्टिफिकेट कोर्स में ग्यारह विश्वविद्यालयों व विभिन्न महाविद्यालयों के एक सौ चार शोधार्थियों ने प्रतिभाग किया।

समापन सत्र में महाविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर प्रो. मान सिंह द्वारा प्रतिभागियों का स्वागत किया गया एवं रिसर्च से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया स प्रोफ. सिंह ने शोध परिकल्पना व एस.पी.एस.एस. के विषय में चर्चा की।

इसी क्रम में, कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अविनाश पांडेय ने कार्यक्रम की आख्या प्रस्तुत की,

जिसमें उन्होंने पांच दिन के कार्यक्रम का विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के इसी कड़ी में, प्रतिभागियों से फीडबैक लिया गया, जिसमें विभिन्न प्रतिभागियों ने अपना फीडबैक प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनंद शंकर सिंह द्वारा शोध की उपयोगिता व विश्वसनीयता जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार व्यक्त किया गया । भारतीय ज्ञान परंपरा का महत्व एवं शोध में इनके समायोजन सम्बन्धी गंभीर विषयों को आपमें अपने व्याख्यान मे सम्मिलित किया स इसके साथ ही आपने , डेटा मैनेजमेंट एंड एनालिसिस विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि डेटा की शुद्धता एनालिसिस से भी ज्यादा महत्वपूर्ण होती हैं ।

इसके उपरांत, प्रतिभागियों को प्राचार्य के द्वारा सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के सह संयोजक डॉ. शैलेश कुमार यादव ने किया। समापन सत्र में महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक डॉ मनोज कुमार दुबे, डॉ. उदय प्रताप सिंह डॉ. नरेंद्र सिंह डॉ. विवेकानंद त्रिपाठी आदि भी उपस्थित रहे।

## सदस्यता अभियान में तेजी दिखाएं महासंघ के पदाधिकारी : मुनेश्वर मिश्र

### 21 सितंबर को होगी सभी पदाधिकारियों के कार्यों की समीक्षा

प्रयागराज। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के सभी पदाधिकारी 1 सितंबर 2024 से आगामी सत्र के लिए चलाए जा रहे सदस्यता अभियान में तेजी दिखाएं और अपने–अपने इकाइयों को सशक्त बनाने के लिए अपनी भूमिका महत्वपूर्ण ढंग से निभाएं। महासंघ में अब तक जिन्होंने उल्लेखनीय योगदान दिया है उन सभी पदाधिकारियों के कार्यों की समीक्षा आगामी 21 सितंबर को प्रयागराज में होने वाली अति महत्वपूर्ण बैठक में की जाएगी।

उपरोक्त बातें भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के

राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनेश्वर मिश्र ने उस समय कही जब वे केंद्रीय संचालन समिति एवं स्थानीय विशेष सक्रिय पदाधिकारियों के साथ आगामी 21 सितंबर को होने वाली बैठक की तैयारी के बारे में चर्चा कर रहे थे द्य श्री मिश्र ने कहा कि देशभर के मान्य संपादकों पत्रकारों और पत्रकार संगठनों के हितों की रक्षा के लिए संकल्पशील भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ सदैव पत्रकारों के मान सम्मान और सुरक्षा के लिए संघर्षरत रहा है और आगे भी रहेगा।

इसी क्रम में प्रयागराज में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय महाअधिवेशन की तैयारी के बारे में विस्तृत चर्चा करने के लिए 21 सितंबर को एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है जिसमें सभी राष्ट्रीय और प्रांतीय पदाधिकारी की उपस्थिति अपेक्षित की गई है। श्री मिश्र ने कहा कि महासंघ का सदस्यता अभियान प्रतिवर्ष 1 सितंबर से शुरू होता है और 31 अक्टूबर तक नई इकाइयों के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाती है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से आग्रह किया कि वह अपने–अपने क्षेत्र में सदस्यता अभियान में तेजी लाएं और 21 सितंबर को अपनी आख्या बैठक में आकर प्रस्तुत करें।

## संक्षिप्त

### मांगों को लेकर अड़े सीएचओ, चार दिन से कर रहे प्रदर्शन

लखनऊ,(एजेंसी)। 21 अगस्त से अपनी मांगों को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) आंदोलनरत है, लेकिन बुधवार से हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर कार्य पूरी तरह से बंद हो गया है। 17 हजार के करीब सीएचओ ने काम करने से मना कर दिया है। शनिवार को चौथे दिन भी प्रदर्शन इको गार्डन में जारी रहा है। बताया जा रहा है कि इको गार्डन में करीब 4 से 5 हजार सीएचओ लगातार अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। आज के दिन एक प्रदर्शनकारी महिला की अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद महिला को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। महिला की तबीयत बिगड़ने पर धरना दे रहे सीएचओ ने नारेबाजी भी की है और कहा कि प्रमुख सचिव होश में आयें। यदि किसी भी सीएचओ साथी के साथ इस धरना प्रदर्शन में कुछ अप्रिय घटना होती है तो उसकी जिम्मेदारी प्रमुख सचिव की होगी। संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ के महामंत्री योगेश उपाध्याय ने कहा है कि चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण प्रमुख सचिव का रवैया सीएचओ साथिंयों के साथ अच्छा नहीं है। करीब 16 हजार से अधिक आयुष्मान मंदिर बंद हो गये हैं। मरीजों को टेली कंसल्टेंसी के जरिये परामर्श नहीं मिल पा रहा है और न ही दवायें उपलब्ध हो पा रही हैं। इतना ही नहीं टीकाकरण का कार्य भी प्रभावित हो रहा है।

### अधिवक्ता की वेशभूषा में दबंगों ने कोर्ट परिसर में युवक पर किया हमला, पैर, हाथ और कंधे में आई गंभीर चोट

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ के वजीरगंज स्थित सिविल कोर्ट के बहुखंडीय भवन में अधिवक्ताओं की वेशभूषा में पहुंचे दबंगों ने रॉड व धारदार हथियार से युवक शावेज पर हमला कर दिया। आरोप है कि आधे घंटे तक युवक को पीटा और मरा समझकर आरोपी भाग गए। उनके दोनों पैर, हाथ और कंधे पर गंभीर चोट आई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे ट्रॉमा में भर्ती कराया। इंस्पेक्टर वजीरगंज के अनुसार जांच में पता चला है कि ठाकुरगंज के अहमदगंज पजावा निवासी शावेज और शुभम पांडेय में अच्छी दोस्ती थी। डेढ़ माह पहले विवाद हो गया और दोनों रंजिश रखने लगे। घायल शावेज ने यह नहीं बताया कि कोर्ट परिसर में उन पर हमला क्यों हुआ। वह मुकदमे में वारंट रिकॉल कराने के लिए गए थे। उनकी तहरीर पर शुभम पांडेय, राकेश गौतम, आशीष सोनकर, करन सोनकर, पुनीत पांडेय और 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। वहीं शुभम पांडेय ने भी शावेज के खिलाफ तहरीर दी है। आरोप लगाया है कि वह मुकदमे में सुलह करने का दबाव बना रहा था। मना करने पर रॉड व उसतरे से हमला कर दिया। इस पर वहां मौजूद लोगों ने शावेज को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी।

### मस्कट से आए यात्री के पास पकड़ा गया 63 लाख का सोना, लगेज स्कैनर की जांच में दबोचा गया

लखनऊ, एजेंसी। अमौसी एयरपोर्ट पर मस्कट से लखनऊ पहुंची फ्लाइट के यात्री से 63.07 लाख रुपये का सोना बरामद किया गया है। स्कैनर से उसका बैग गुजरने पर तस्करी पकड़ी गई। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर खाड़ी देशों से आने वाले विमानों से सोने की तस्करी के मामले बढ़ रहे हैं। इस वर्ष 12 से अधिक तस्करी के मामले पकड़े जा चुके हैं। नया मामला बीते गुरुवार का है। गुरुवार दोपहर मस्कट से आने वाले विमान संख्या डब्ल्यूवाई 0261 के अमौसी एयरपोर्ट पहुंचने के बाद यात्रियों के लगेज की स्कैनर से जांच हो रही थी। इसी बीच एक यात्री के बैग की जांच हुई तो उसके अंदर आयताकार कार्टन नजर आया। कार्टन के अंदर क्रीम बनाने वाली कंपनी के डिब्बे में सोने के चार टुकड़े रखे थे। इनका वजन 850 ग्राम था। कस्टम ने सोने को जब्त कर लिया है।

### मुस्लिम पहचान छिपाकर युवती से की शादी, धर्म परिवर्तन कराया, दिया तीन तलाक

लखनऊ, एजेंसी। ताज मोहम्मद ने बबलू बनकर युवती को प्यार के जाल में फंसाया और भगाकर शादी कर ली। ससुराल पहुंचने पर युवती को पता चला कि पति मुस्लिम है। विरोध पर जबरन धर्म परिवर्तन करा दिया गया। इस दौरान युवती ने दो बेटियों को जन्म दिया। आरोपी ने दूसरी युवती से निकाह कर लिया और सऊदी अरब चला गया। वहां से लौटा तो पीड़िता को तीन तलाक दे दिया। युवती ने शुक्रवार को निगोहां थाने में केस दर्ज कराया है। निगोहां के डीहा गांव निवासी नीलम मिश्र के अनुसार, कुछ साल पहले ताज मोहम्मद ने खुद को हिंदू बताकर प्यार के जाल में फंसाया था। शादी के बाद जबरन धर्म परिवर्तन कराके उनका नाम नाजिया रखवा दिया था। वह इतनी यातनाएं सिर्फ अपनी बच्चियों के लिए सहती रही। ताज ने वर्ष 2021 में शाजिया नाम की युवती से निकाह कर लिया और सऊदी अरब चला गया। पीड़िता के अनुसार, 25 जून 2024 को ताज लौटा और मारपीट कर उन्हें घर से भगा दिया। इसके बाद वह भाई शाश्वत मिश्रा के साथ रहने लगीं। आरोप है कि 24 अगस्त की शाम ताज उनके भाई के घर पहुंचा और मारपीट करते हुए तीन तलाक बोलकर चला गया। आजिज आकर उन्होंने शुक्रवार को निगोहां थाने में केस दर्ज कराया है। थानाध्यक्ष अनुज तिवारी का कहना है कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

### लखनऊ में पेट्रोल पंप कर्मचारी को पीटकर किया लहूलुहान

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ के पारा इलाके में स्कॉर्पियो सवार बदमाशों ने पेट्रोल पंप के कर्मचारी को लूटने की कोशिश की। पेट्रोल टंकी पर लगभग 10–12 बदमाशों ने मारपीट की। मनचलों ने पेट्रोल टंकी के कर्मचारी मिलन पर पिस्टल की बट से हमला कर लहूलुहान कर दिया। जानकारी के मुताबिक, नेपियर रोड कॉलोनी ठाकुरगंज के रहने वाले रोहित जायसवाल पुत्र अमृतलाल जायसवाल का सरोसा भरोसा पारा में आरपीआर पेट्रोल फिलिंग स्टेशन नाम से पेट्रोल पंप है। शुक्रवार रात स्कार्पियो व बाइक से 10–12 लोग पहुंचे। सभी बदमाशों के पास असलहा था। वहां मौजूद मिलन नाम के कर्मचारी को लूटने की कोशिश करने लगे। बदमाश पेट्रोल पंप ऑफिस में जाते हैं। लेकिन वहां उन्हें कुछ नहीं मिलता है वापस चले जाते हैं। साथियों के साथ खड़े कर्मचारी पर बदमाश एक साथ मिलकर हमला कर देते हैं।

## सम्पादकीय.......

# पहल के पहलू

निस्संदेह, लैंगिक समानता और शिक्षा व रोजगार में पर्याप्त अवसर की दृष्टि से हिमाचल सरकार द्वारा लड़कियों की शादी की कानूनी उम्र 18 से बढ़ाकर 21 वर्ष करना एक प्रगतिशील कदम है। लेकिन साथ ही हिमाचल सरकार द्वारा बाल विवाह निषेध (हिमाचल प्रदेश संशोधन) विधेयक 2024 के इस कदम ने एक नई बहस को भी जन्म दिया है। वहीं कांग्रेस पार्टी के भीतर भी कुछ असंतोष के सुर उभरते दिखे हैं। बहस इस मुद्दे से जुड़ी राष्ट्रीय चर्चाओं को लेकर भी है कि इससे पहले लाया गया केंद्र सरकार का बाल विवाह निषेध संशोधन विधेयक अभी भी एक संसदीय पैनल के समक्ष समीक्षाधीन है। ऐसे में हिमाचल प्रदेश का कानून केंद्रीय पैनल के निष्कर्षों से पहले सामने आने के निहितार्थों पर प्रश्न पैदा करता है। दरअसल, जिस पैनल को केंद्रीय विधेयक की समीक्षा का कार्य सौंपा गया है, वह अभी लड़कियों की शादी की उम्र 21 साल तक बढ़ाने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार–विमर्श कर रहा है। उम्मीद है कि इसकी रिपोर्ट में सांस्कृतिक संवेदनशीलता, सामाजिक–आर्थिक कारकों और महिलाओं के अधिकारों तथा व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर संभावित प्रभाव सहित विभिन्न चिंताओं को संबोधित किया जायेगा। इस मामले में हिमाचल सरकार की स्वतंत्र पहल का निर्णय जहां एक प्रगतिशील कदम है तो वहीं इसे जल्दबाजी में उठाया गया कदम भी कहा जा रहा है। निस्संदेह, हिमाचल सरकार का यह सक्रिय रुख लैंगिक समानता और युवा महिलाओं के सशक्तीकरण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को ही उजागर करता है। वहीं दूसरी ओर महिलाओं की शादी की उम्र को पुरुषों के बराबर लाकर, सही मायनों में कानून का उद्देश्य उन्हें शादी के दबावों से मुक्त करना भी है। जिससे उन्हें शिक्षा और व्यक्तिगत विकास के लिये समान अवसर मिल सकें। निस्संदेह, ऐसे प्रयास स्त्री सशक्तीकरण की दिशा में एक सार्थक पहल कही जा सकती है। जो कालांतर समाज में लैंगिक समानता का मार्ग प्रशस्त करके उन्हें स्वावलंबी बनाने में मददगार हो सकती है। यही वक्त की मांग भी है। लेकिन वहीं दूसरी ओर खुद कांग्रेस पार्टी में सरकार के निर्णय को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। कहा गया कि वे सुखविंदर सुक्खू सरकार के कदम से आश्चर्यचकित हैं, क्योंकि कांग्रेस पार्टी ने ही केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा लाए गए इसी तरह के विधेयक का विरोध किया था। जिसकी वजह इसका मुस्लिम समाज पर पड़ने वाला प्रभाव भी था। कांग्रेस ने खासकर मुस्लिम पर्सनल लॉ के संबंध में चिंता भी जतायी थी। वहीं दूसरी ओर हिमाचल भाजपा ने सुक्खू सरकार के कदम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि तकनीकी रूप से इस कानून को लेकर हमारी पार्टी ने पहल की थी। वहीं कानून के जानकार कह रहे हैं कि इस तरह के कानून पर यदि संसदीय पैनल की रिपोर्ट एक अलग दृष्टिकोण या अतिरिक्त सुरक्षा उपायों का सुझाव देती है तो यह कदम कानूनी और सामाजिक विसंगतियां उत्पन्न करने का जोखिम भी पैदा कर सकता है। कालांतर राष्ट्रीय कानून, एक बार अधिनियमित होने के बाद राज्य कानूनों का स्थान लेगा। जिससे संभावित रूप से भ्रम पैदा हो सकता है। फलतरू कालांतर संशोधन की आवश्यकता होगी। निस्संदेह, हिमाचल सरकार के कानून का समय उस व्यापक परामर्श प्रक्रिया को कमजोर करता है,जिस दिशा में संसदीय पैनल सक्रिय है। दरअसल, पैनल इस मुद्दे से जुड़े विविध दृष्टिकोणों को संतुलित करना चाहता है। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि कानून का स्वरूप व प्रभाव विविधता के भारतीय परिवेश में समावेशी हो। जिसका संदेश जाए कि यह एक सुविचारित फैसला है। वहीं दूसरी ओर कह सकते हैं कि हिमाचल सरकार का कानून एक साहसिक कदम है। वहीं यह राष्ट्रीय स्तर पर एक व्यापक व सुसंगत दृष्टिकोण के महत्व को रेखांकित करता है। जो भारत के विविधता के सामाजिक परिदृश्य में इस तरह के महत्वपूर्ण बदलावों को लागू करने की जटिलताओं की ओर ध्यान भी आकृष्ट करता है। निस्संदेह,यह कदम लड़कियों के लिये शिक्षा व कैरियर में आगे बढ़ने के नये अवसर भी सृजित करेगा। वहीं लड़कियों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिये भी यह अनिवार्य शर्त है।

# इतिहास भूत होता है

**एजेन्सी**

*“ सुंदरता की अनुभूति का स्रोत भावशक्ति है। इतिहास का स्रोत भूत–सत्य है। श्रीकृष्ण इतिहास के महानायक हैं। उन्हें भारत की भावशक्ति मिली। वे गीत बने, काव्य बने। उनका चलना फिरना भी गीत नृत्य हो गया। ”*

इसमें जोड़ घटाव उचित नहीं होता। हम चाहकर भी भूतकाल नहीं बदल सकते। लेकिन भूत इतिहास बनता है। अनुभूत समाज की भावशक्ति पाता है। वह काव्य बनता है, ऋचा या मंत्र बनता है। वह इतिहास में हस्तक्षेप नहीं करता। वह इतिहास को सौन्दर्य देता है। इतिहास और सुंदरता में प्रत्यक्ष सम्बंध नहीं होते। सुंदरता की अनुभूति का स्रोत भावशक्ति है। इतिहास का स्रोत भूत–सत्य है। श्रीकृष्ण इतिहास के महानायक हैं। उन्हें भारत की भावशक्ति मिली। वे गीत बने, काव्य बने। उनका चलना फिरना भी गीत नृत्य हो गया। उनके कारण यमुना प्यार की नदी हो गई। उनकी बांसुरी के सुर, राग, लय ने इतिहास को मनोरम बनाया। उनका शिशुकाल भी गीत भजन और स्मरणीय काव्य बना। मथुरा–वृन्दावन भारतीय भूगोल का भाग है। श्रीकृष्ण के जीवन की ऐतिहासिक घटनाओं के भी साक्ष्य हैं लेकिन इससे भी ज्यादा वे भारतीय भावशक्ति के 'मिथक' हैं। इतिहास लौकिक होता है। लोकभाव की शक्ति अपने प्रिय को लोक के परे भी देखती है। जैसे प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं पड़ती, वैसे ही प्रेमपूर्ण चित्त को प्रमाण बेकार लगते हैं। हम इतिहास की पोथी पढ़कर राधाकृष्ण का प्रेमतत्व नहीं जान सकते। प्रेममय चित्त बड़ी सरलता से लौकिक को अलौकिक बनाते हैं। वे इस जीवन के बाद भी प्रेमी बने रहने का संकल्प लिया करते हैं। प्रेम और इतिहास में कोई दुश्मनी नहीं। प्रेम गीतों में भी इतिहास हो सकता है और इतिहास में भी प्रेम के कथानक। प्रेमी आकाश में उड़ते, तमाम जन्मों में मिलते बिछुड़ते गाए जाते हैं। वे स्थूल से सूक्ष्म की यात्रा पर होते हैं। ऐसे प्रेमी इतिहास के चरित्र भी हो सकते हैं लेकिन इतिहास उन्हें आकाशचारी नहीं दर्ज करता। श्रीकृष्ण इतिहास में है, भाव में हैं। प्रेम में है। वे प्रेम रस का परम चरम है। तैत्तिरीय उपनिषद् के ऋषि ने संपूर्णता या ब्रह्म को 'रस–रसो वै सः' गाया है। वैसे ही रस या महारस हैं श्रीकृष्ण। वे स्वयं महारस भी हैं और उस रस का आनंद लेने वाले रसिक बिहारी भी हैं। वे ज्ञाता हैं, ज्ञेय हैं और ज्ञान भी हैं। प्रकृति सृजन का चरम परम है लेकिन जिस प्रकृति ने उन्हें रचा है, वह प्रकृति भी उन्हीं के मार्गदर्शन में चलती है। राधाकृष्ण का प्रेम लौकिक है। अध्यात्म भी है। यहां दो हैं राधा और कृष्ण। राधा होना चाहती है कृष्ण। बिना कृष्ण हुए राधा का प्यार आधा है। इस प्यार को पकने पकाने के लिए श्रीकृष्ण की आंच और ऊष्मा चाहिए। श्रीकृष्ण की प्रीति ऊष्मा भी सहज नहीं। राधा यह बात जानती ही रही होगी कि वे मिलें हमसे और मैं राधा न रहूं। श्रीकृष्ण से मिलूं और श्रीकृष्ण ही हो जाऊं। श्रीकृष्ण तो सबकुछ जानते ही थे। राधा सामान्य नायिका नहीं है। वे धारा के विपरीत हैं। धारा शब्द को उलटने से ही शब्द राधा बनता है। राधा का संस्पर्श भी श्रीकृष्ण को श्रीकृष्ण नहीं रहने देगा। अग्नि आंच दो तरफा है। दोनो की आंच के कारण दोनो का अलग अस्तित्व बचना मुश्किल। लेकिन राधा तैयार है। उन्हें निजी अस्तित्व की चिंता नहीं। राधा मिली श्रीकृष्ण से और श्रीकृष्ण मिले राधा से। वे दो थे। एक हो गए। फिर एक भी नहीं बचा। अद्वैत घटित हो गया। पुराणकार लिख सकते थे कि तब देवताओं ने इस महामिलन पर आकाश से फूल बरसाए। लेकिन राधा माधव की प्रीति के लिए देवों की पुष्पवर्षा की जरूरत हीं नहीं थी। इस प्रीति को देखकर मथुरा–वृंदावन और बरसाना के फूल स्वयं ही लहके। उनकी सुगंध आज भी अनुभव की जा सकती है। सोचता हूं कि तब आकाश में बिना बादल ही 'घनश्याम' आ गए होंगे। ऋत सत्य ने गति दी होगी। राधाकृष्ण प्यार की ऊष्मा के जलकण आकाश पहुंचे होंगे। इस महाप्रीति से पर्जन्य ने कृति आकार लिया होगा। ये पर्जन्य और कोई नहीं हम सबके प्रिय घनश्याम ही हैं। गीता में उन्होंने स्वयं को 12 मासों के चक्र में अगहन–मार्गशीर्ष बताया है। उसके अपने कारण हैं। उनका जन्म कड़कते बादलों के समय हुआ। उस मुहूर्त में सब तरफ पर्जन्य घनश्याम थे। धरती तक उतर आए थे वे। यमुना भावविह्वल होकर उमड़ पड़ीं थी तब। इतिहासकार की सीमा है। पर्जन्य इतिहास का उपकरण नहीं हैं। बांके बिहारी की छवि मस्तिष्क की समृद्धि नहीं है। मोर मुकुट का प्राकृतिक सौन्दर्य इतिहास की विषय वस्तु नहीं है। माखन चोरी की प्रथम सूचना रिपोर्ट किसी थाने का अभिलेख नहीं है। गोपियों के बीच नृत्य और रास का वीडियो वायरल नहीं हुआ। प्रेम उल्लास नापने का कोई यंत्र न उस समय था और न ही अब तक बन पाया है। भाव जगत् निस्संदेह इसी प्रत्यक्ष जगत् का हिस्सा है लेकिन यह जगत प्रत्यक्ष है। सो इस भूत की स्मृति है।

# राज्यपाल न बनें सत्तारुढ़ पार्टी के एजेंट

**डॉ. ज्ञान पाठक**

दिल्ली के मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल के बीच लोकतांत्रिक तालमेल पिछले दस वर्षों में टूट गया है, उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने 28 अगस्त को इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित अपने विचार लेख में स्वीकार किया है। वास्तव में दिल्ली ही नहीं, यह उन सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मौजूद तथ्य की अभिव्यक्ति मात्र है, जहां विपक्षी राजनीतिक दल या गठबंधन शासन करते हैं, और जहां राज्यपालों या उपराज्यपालों एवं मुख्यमंत्रियों के बीच सम्बंध भारत के संविधान की परिकल्पना के अनुरूप लोकतांत्रिक नहीं रह गये हैं। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने लिखा, कहीं न कहीं, यह लोकतांत्रिक सम्बंध टूट गया है। आज, निर्वाचित सरकार हर दूसरी प्रशासनिक एजेंसी के प्रति नकारात्मक रूप से शत्रुतापूर्ण है। उन्होंने अपनी ही सरकार के बारे में आगे कहा, श्मुख्यमंत्री न्यायिक हिरासत में हैं। नागरिक बंधक हैं। शासन व्यवस्था में गिरावट आ रही है, क्योंकि मंत्री प्रेस कॉन्फ्रेंस में व्यस्त हैं, जबकि असली आम आदमी (शाब्दिक रूप से आम लोग, लेकिन आम आदमी पार्टी के संदर्भ में इस्तेमाल किया गया है, जो निर्वाचित सरकार का नेतृत्व करते हैं)गुमसुम होकर दुख पा रहे हैं। आत्मनिरीक्षण और सुधार का सही समय आ गया है। यह वास्तव में आत्मनिरीक्षण और सुधार का सही समय है, जो पिछले 10 वर्षों में विकसित हुआ है, जिसके लिए एलजी वीके सक्सेना दिल्ली की निर्वाचित सरकार को दोषी ठहराते हैं। यह आरोप केवल आंशिक रूप से ही सही हो सकता है, क्योंकि वह स्वयं संशोधित एनसीटी दिल्ली अधिनियम 2021 के तहत दिल्ली के प्रशासक हैं, जिनके पास पूर्ण शक्ति है, और दिल्ली में सरकार का मतलब एलजी है, निर्वाचित मुख्यमंत्री नहीं। उनके पास अधिकारियों पर वास्तविक शक्ति है, और यदि उनके अधिकारी ठीक से काम नहीं करते हैं, तो उन्हें पूरी तरह से निर्वाचित सरकार पर दोष मढ़ने के बजाय शालीनता से दोष अपने ऊपर भी लेना चाहिए। जब एलजी वीके सक्सेना कहते हैं कि आत्मनिरीक्षण और सुधार के लिए यह सही समय हैश तो इसका मतलब यह है कि वे खुद को और केंद्र में बैठे उन लोगों को छोड़कर बोल रहे हैं, जिन्होंने उन्हें उपराज्यपाल के पद पर नियुक्त करके दिल्ली का प्रशासक बनाया है। वे श10 साल पहलेश की अवधि के बारे में बात करते हैं और आम आदमी पार्टी (आप) के शासन को दिल्ली में गिरावट का कारण बताते हैं। किसी को अब अटकल लगाने की जरूरत नहीं क्योंकि उनका यह कथन स्पष्ट रूप से राजनीतिक है। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने खुद को संवैधानिक प्रमुख से घटाकर पीएम नरेंद्र मोदी और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र की सत्ताधारी सरकार का एजेंट बना लिया है, जो पिछले 10 सालों से देश पर शासन कर रही है। यह ठीक वही अवधि है, जिसके दौरान दिल्ली में गिरावट आई, जिसे उन्होंने श्लोकतांत्रिक सम्बंध के टूटनेश के रूप में संक्षेप में प्रस्तुत किया है, परन्तु आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार पर दोष मढ़ते हुए। एलजी ने लोकतांत्रिक सम्बंध के टूटने के लिए विपक्ष को जिम्मेदार ठहराया है, जो विपक्षी राजनीतिक दलों के आरोपों के बिल्कुल विपरीत है। विपक्ष का आरोप है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन में सभी लोकतांत्रिक संस्थाओं का पतन हो गया है, जिसमें राज्यों के राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल भी शामिल हैं। उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा इस्तेमाल किया गया लोकतांत्रिक सम्बंध टूट गया वाक्यांश सिर्फ इस बात की याद दिलाता है कि कैसे संवैधानिक रूप से प्रदान किया गया श्संघीय ढांचा टूट गया है न केवल दिल्ली में बल्कि मोदी शासन के पिछले 10 वर्षों में सभी विपक्षी शासित राज्यों में। चूंकि राज्यपाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के राजनीतिक एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं, जबकि उन्हें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के संवैधानिक प्रमुख के रूप में व्यवहार करना चाहिए था, इसलिए उपराज्यपाल वीके सक्सेना जिस आत्मनिरीक्षण और सुधार की बात करते हैं, वह सिर्फ विपक्षी राजनीतिक दलों और उनकी चुनी हुई सरकारों तक ही सीमित नहीं है। सभी उपराज्यपालों, राज्यपालों और केंद्र में सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान को आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और खुद को सुधारना चाहिए। उपराज्यपाल द्वारा संवैधानिक पद के पीछे से भाजपा की ओर से राजनीति करना, खासकर ऐसे समय में जब दिल्ली में जल्द ही चुनाव होने वाले हैं, एक चिंताजनक घटनाक्रम है। 27 अगस्त को भी पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने भाजपा की ओर से राजनीति की। गौरतलब है कि कोलकाता में डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के मुद्दे पर भाजपा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के खिलाफ आंदोलन चला रही है। राज्यपाल बोस ने कहा कि राज्य सरकार शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को दबा नहीं सकती। प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई के बारे में बोस ने कहा, श्यह जानलेवा खेल बंद करो।श उन्होंने यहां तक कहा कि प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई ने श्राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय भावनाओं और राष्ट्र का अपमान किया है,श और कहा, श्कोलकाता की सड़कों पर हमने जो देखा वह सबसे खराब स्थिति थी, जिसकी लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार से उम्मीद नहीं थी।श इससे पश्चिम बंगाल में भाजपा की ओर से राजनीति की बू आती है। वैसे राज्य में राज्यपाल और राज्य में निर्वाचित टीएमसी सरकार के बीच लंबे समय से खींचतान चल रही है। यह एक सर्वविदित तथ्य है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विपक्ष शासित राज्यों में शत्रुतापूर्ण राज्यपालों का उपयोग करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। सभी विपक्ष शासित राज्यों ने पहले ही अपने राज्यपालों के उनके प्रति शत्रुतापूर्ण और बाधा डालने वाले व्यवहार के बारे में शिकायत की है। दिल्ली, तमिलनाडु और केरल के मामले में तो मामला भारत के सर्वोच्च न्यायालय तक भी गया।

मेष :– योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। मस्त–मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कायरे के प्रति लापरवाह होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम तीव्र होगा।

वृषभ :– नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। जरूरी कायरे की समय से पूर्ति करें।

मिथुन :– नये क्षेत्रों मे प्रयास से लाभ संभव। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी। नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता बरतें।

कर्क :– सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन में निराशा पैदा करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। रोजगार में क्षमता का पूर्ण लाभ मिलेगा।

सिंह :– कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। घर में किसी मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

कन्या :– मन को सकारात्मक दिशा की ओर केंद्रित करें। भाग्य से प्राप्त अच्छी बुरी सभी स्थितियों के साथ समझौतावादी बने। अपने सुख–दुख छोड़ परिजनों के सुख के बारे में सोचें। आलस्य कतई न करें।

तुला :– पुरानी गलतियों से सीख लेते हुए वर्तमान को सुधारें। अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरनें। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक :– भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी।

धनु :– मूल्यवान समय को व्यर्थ के कायरें में न जाया करें। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ संभव। संवेदनशील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकते हैं। जरूरी कायरे की पूर्ति समय से करें।

मकर :– सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। रोजगार में लाभ के नये अवसर मिलेंगे। पिता के स्वास्य के प्रति सचेत रहें। किसी मेहमान के आगमन से घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

कुंभ :– किसी की अस्वस्थता से परिवार में कष्टप्रद माहौल होगा। महत्वपूर्ण कार्यवश घर से दूर जाना पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कायरें के प्रति आलस्य न करें। रोजगार में आ रही समस्याओं से निराश न हों।

# राज्य सभा के बहुमत से क्या फर्क पड़ेगा

**अरविन्द मोहन**

*“ लोक सभा चुनाव में (ज्यादातर) राज्य सभा सदस्यों द्वारा जीत हासिल करने से खाली हुए 12 जगहों के उपचुनाव में भाजपा ने नौ स्थान जीते हैं और एनडीए के साथियों ने दो स्थान जीते हैं। हम जानते हैं कि राज्य सभा सदस्यों का चुनाव विधायक करते हैं । ”*

यह विडंबना ही है कि जब शासन और संसदीय कामकाज में भाजपा और नरेंद्र मोदी के इकबाल को चुनौतियां मिलनी शुरू हुई हैं तब राज्य सभा में भाजपा को पहली बार बहुमत मिलने का दावा किया जाने लगा है। लोक सभा चुनाव में (ज्यादातर) राज्य सभा सदस्यों द्वारा जीत हासिल करने से खाली हुए 12 जगहों के उपचुनाव में भाजपा ने नौ स्थान जीते हैं और एनडीए के साथियों ने दो स्थान जीते हैं। हम जानते हैं कि राज्य सभा सदस्यों का चुनाव विधायक करते हैं और अभी ज्यादातर राज्यों में भाजपा या उसके गठबंधन की सरकार है। 245 सदस्यों वाले सदन में अब भाजपा के 96 सदस्य हो गए हैं और एनडीए के उसके सहयोगी दलों के सदस्यों, दो निर्दलीय और छह मनोनीत सदस्यों को लेकर अब उसके खेमे में 119 सदस्य गिने जा सकते हैं। अभी भी मनोनीत सदस्यों की चार जगहें और जम्मू–कश्मीर के चार स्थान खाली हैं और बैठे–ठाले गणित लगाने वालों का अनुमान है कि भाजपा का खेमा 125 तक पहुंच सकता है और अगर जम्मू–कश्मीर वाली गिनती को फिलहाल छोड़ भी दें तो 241 सदस्यों में भाजपा खेमा आराम से 123 तक पहुंच जाएगा। आजकल मनोनीत का मतलब भी शासक दल का सदस्य ही हो गया है। भाजपा के लिए यह स्थिति 2014 के बाद पहली बार बनी है। अब यह कहने का कोई मतलब नहीं है कि मोदी का प्रताप गिरने की शुरुआत होने पर इस स्थिति के आने का भी बहुत मतलब है। लेकिन जिस विधायी कामकाज के लिए राज्य सभा में बहुमत होना जरूरी होता है उसमें नरेंद्र मोदी और उनकी भाजपा के एजेंडे वाले काफी काम पहले अटके भी हैं। सबसे पहला झटका तो भूमि अधिग्रहण कानून और श्रम कानूनों में बदलाव के समय ही लगा और हारकर केंद्र ने इसे राज्यों के हवाले कर दिया कि वे अपनी–अपनी मर्जी से और अपनी जरूरत के हिसाब से कानून बनाए। कृषि से संबंधित तीन कानून पास भी हुए, और उसमें की श्न्यूट्रलश दलों का समर्थन लिया गया पर उस पर किसान आंदोलन और फिर उत्तर प्रदेश चुनाव की जरूरत ने पानी फेर दिया। बीजद और वाइएसआर कांग्रेस के साथ कई बार तेलंगाना राज्य समिति भी अपने श्न्यूट्रलश स्टैंड को छोड़कर भाजपा को समर्थन देती रही है। कई और दल भी खास रणनीति से सदन से गायब होकर बिल पास कराने में मदद करते थे। अब तेलंगाना राज्य से भारत देशम बने चंद्रशेखर राव की पार्टी का तो अस्तित्व संकट में है लेकिन बीजद और वाइएसआर कांग्रेस विरोध में आ गए हैं, भले उनकी शक्ति कम हुई हो। दूसरी ओर कई बार धोखा खाने के बाद नामी वकील अभिषेक मनु सिंघवी तेलंगाना से राज्य सभा में पहुंचे है। कांग्रेस को वैसे तो यह एकमात्र सीट मिली है लेकिन इसने राज्य सभा में कांग्रेस के सदस्यों की संख्या 27 तक पहुंचा दी है। इससे उनका राजनैतिक पुनर्वास तो हुआ ही है कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सदन में विपक्ष के नेता पद पर निश्चिंत हो गए हैं। अभी तक कांग्रेस के 26 सदस्य ही थे और विपक्ष का नेता बनने के लिए 25 सीटों की जरूरत होती है। जिस रफ्तार से भाजपा दल बदल और तोड़–फोड़ करती रही है उसमें खड़गे जी की कुर्सी छीनना बहुत मुश्किल न था। पिछली लोक सभा में जिस तरह राहुल गांधी और महुआ मोइत्रा की सदस्यता छीनी गई और डेढ़ सौ से ज्यादा सांसदों को निलंबित किया गया उसमें यह खतरा रोज मंडरा रहा था। लेकिन यह मात्र संयोग नहीं है कि जिस दिन भाजपा को राज्य सभा में मोदी–युग का सबसे बड़ा आंकड़ा हासिल हुआ उससे दो दिन पहले एनडीए में और सरकार में साझीदार लोक जनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान ने जातिगत जनगणना की मांग कर दी। इस बात की चर्चा एकमात्र सांसद वाले दल के नेता जीतन राम मांझी जैसे लोग भी हल्के–फुल्के ढंग से उठाते रहे थे लेकिन चिराग के कहने का तत्काल बड़ा असर हुआ। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी द्वारा इस सवाल को राजनीति के केंद्र में ला देने के बाद भी अभी तक भाजपा इसके पक्ष में नहीं दिखती है। वह इसे राहुल के पिच पर खेलना मानती है। लेकिन चिराग जैसे सहयोगियों और महाराष्ट्र (जहां जल्दी ही चुनाव होने वाले हैं) के अपने की नेताओं की मांग को नजरअंदाज करना मुश्किल होगा। पार्टी ने ऐसे ही दबाव में (जिसमें मुख्य दबाव राहुल का था तो एनडीए के साथियों की तरफ से भी बयानबाजी शुरू हुई) बड़े सरकारी पदों पर सीधी भर्ती का अपना विज्ञापन वापस लेना पड़ा। अब सरकारी पक्ष जो कहे लेकिन इसका राजनैतिक श्रेय राहुल और इंडिया गठबंधन के नेता ही ले रहे हैं। सरकार ने इसी तरह कैबिनेट की आपात बैठक में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुसूचित जातिध्जनजाति के आरक्षण में क्रीमी लेयर बनाने और उसका श्रेणीकरण करने संबंधी फैसले के खिलाफ अपील करने का फैसला किया। यह सवाल दलित समूहों में तो सुगबुगाहट ला रहा था लेकिन राहुल या किसी बड़ी विरोधी नेता ने अदालती फैसले को गलत नहीं कहा था। उलटे तेलंगाना के कांग्रेसी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी तो इसके पक्ष में बोलते दिखे। राहुल के सलाहकारों में एक योगेंद्र यादव ने भी खुलकर आदालती फैसले का समर्थन किया। इनसे बड़े–बड़े मामलों में सरकार थर्राती और कांपती दिख रही है। ब्राडकास्ट विधेयक तो बड़ी तैयारी से लाया गया था, अब उसे ठंढे बस्ते में डाल दिया गया। कांग्रेसी साईं पित्रोदा द्वारा वेल्थ टैक्स का सवाल उठाने का विरोध करने के बाद सरकार ने बजट में लगभग वही कर ला दिया। जैसे ही विरोध हुआ, उसमें बदलाव कर दिया गया। ओल्ड पेंशन स्कीम को नए नाम से वापस लाया गया है। सबसे चर्चित मामला वक्फ बोर्ड संबंधी कानून का था जिसे काफी तैयारी से लाया गया था और जो भाजपा की राजनीति के अनुकू ल माना जाता था।

## मुझे ओवर एक्सपोजर का डर नहीं सताता, ग्रोथ मार खा जाएगी

# रसिका दुग्गल

बॉलीवुड एक्ट्रेस रसिका दुग्गल ने पर्दे पर तमाम तरह के किरदार निभाए हैं। कई बार टाइपकास्ट भी हुई हैं। मगर ओटीटी ने उन्हें अपना हुनर दिखाने में काफी मदद की है। एक्ट्रेस ने श्नवभारत टाइम्सश से खास बातचीत में अपने सफर के बारे में खुलकर बात की है। रसिका दुग्गल ने बताया है कि उन्होंने बीना त्रिपाठी का रोल मांगा था, तब मिला था रसिका दुग्गल इन दिनों रणवीर शौरी और केके मेनन के साथ आई सीरीज श्शेखर होमश की वजह से चर्चा में हैं रसिका दुग्गल ने बताया कि उन्हें ओवर एक्सपोज होने से डर नहीं लगता है मनोरंजन जगत में तकरीबन 15 साल का वक्त बिता चुकी रसिका दुग्गल कई अहम फिल्मों और लोकप्रिय वेब सीरीज का हिस्सा रही हैं। श्मिर्जापुर 3श के बाद वे चर्चा में हैं जासूसी थ्रिलर श्शेखर होमश से। एक्ट्रेस ने इंटरव्यू में कहा है कि वह रोने वाले सीन्स से टाइपकास्ट हो गई थीं। उनको पता होता था कि आखिरी के 10 पन्नों में रोने वाले दो सीन्स हैं। तो वह स्क्रिप्ट को पीछे से पढ़ सकती थीं। अब श्नवभारत टाइम्सश से बातचीत में एक्ट्रेस ने अपने करियर के बारे में और क्या नई बातें बताईं, जानिए।रसिका दुग्गल ने श्मिर्जापुरश की बिना के रूप में काफी शोहरत पाई। मगर सीजन 3 में उन्हें उतना स्क्रीन टाइम नहीं मिला। वे कहती हैं, श्किसी सीजन में आप कम दिखें, तो स्टोरी की डिमांड हो सकती है। कहानी किसी और डायरेक्शन में जा रही है, तो वह एंगल अगर मजबूत है, तो कोई समस्या नहीं है। मैं अपने बारे में न सोचकर, कहानी के बारे में सोचती हूं। हर एक अच्छा एक्टर यही सोचता है। मुझे कोई प्रॉब्लम नहीं है कि स्क्रीन टाइम कम है। मेरी चिंता किरदार के प्रभाव को लेकर ज्यादा होती है और मैं समझती हूं कि बीना का इंपैक्ट हर सीजन में बहुत अच्छा रहा है।श इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न रू कार्तिक आर्यन से रसिका दुग्घगल तक, देखिए इन स्टार्स को मिला अवॉर्ड बीना का रोल सामने से मांगा आज जिस भूमिका ने रसिका को घर –घर लोकप्रिय किया। वह भूमिका उन्होंने खुद जाकर मांगी थी। वे कहती हैं, श्सीजन वन में करण और अंशुमान भी जुड़े थे इस प्रोजेक्ट से। तो किसी ने मुझे बताया कि वो शो लिख रहे हैं। मैंने कहा, ठीक है, वो मुझे जानते हैं, तो मेरे लिए कुछ रोल होगा तो बोल देंगे। तो मुझसे कहा गया कि ऐसा नहीं होता, याद दिलाना पड़ता है। मुझे शर्म आ रही थी रोल मांगने में, मगर मैंने शर्म को त्याग कर फोन किया। मेरे दिमाग में था कि अगर वो मुझे कास्ट नहीं करना चाहेंगे, तो उनके लिए मुझे ना बोलना काफी मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने कहा, श्आप नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ लीड रोल (मंटो) कर रही हैं, तो मैंने सोचा, आप वेब सीरीज नहीं करेंगी।श तो मैंने कहा, श्अगर किरदार इंटरेस्टिंग है, तो क्यों नहीं करूंगी?श उन्होंने ऑडिशन के लिए बुलाया। मेरे हिसाब से ऑडिशन सही नहीं गया था, मगर उन्हें पसंद आया कर मैं बीना के रोल के लिए चुन ली गई।श हमारे प्रोफेशन में सिक्योर होकर नहीं बैठ सकते रसिका को अपने करियर के शुरुआती दौर में एक–दो सीन वाली छोटी–छोटी भूमिकाएं भी करनी पड़ी हैं, अब उनके लिए रोल लिखे जाते हैं। वे कहती हैं, श्उम्मीद करती हूं कि मेरे लिए रोल लिखे जाते रहें, क्योंकि जहां तक मैंने देखा है, इस जर्नी में आप एकदम सिक्योर होकर भी नहीं बैठ सकते कि हां, अब तो मेरे पास काम है, अब तो मेरे पास सब कुछ है। एक आर्टिस्ट के अंदर यह भावना नहीं होनी चाहिए। एक कलाकार को हमेशा कुछ एक्सप्लोर करना चाहिए और यह होना भी चाहिए, अपने आपको मोटिवेट करने के लिए। तो मेरा बहुत मन था कि ऐसी कोई कॉमिडी फिल्म की जाए, जिसमें औरत का सेंट्रल कैरेक्टर हो। लेकिन जैसा कि आपने कहा, इतने साल हो गए हैं इंडस्ट्री में। मैंने कई उतार–चढ़ाव देखे हैं। जब काम अच्छा चल रहा होता है, लोग सराहना करते हैं। मतलब एक महीने के अंदर दो शोज रिलीज होते हैं, तो बहुत अच्छा लगता है। और मैं इस समय के लिए बहुत शुक्रगुजार हूं। सोचा नहीं था कि ऐसा समय आएगा जिंदगी में, लेकिन आ गया, थैंक गॉड। और मैं इसको इंजॉय करने की कोशिश भी कर रही हूं। साथ में आगे क्या करना है, वो भी सोच रही हूं।श तब मेरी ग्रोथ मार खा जाएगी बीते कुछ समय से रसिका ओटीटी पर काफी नजर आ रही हैं। हाल ही में उनकी फिल्म फेयरी फोक भी आई थी और ओटीटी पर मिर्जापुर 3 के साथ–साथ शेखर होम में भी दिखीं। क्या उन्हें ओवर एक्सपोज होने का डर नहीं सताता? के सवाल पर वे कहती हैं, श्नहीं, मुझे यह डर नहीं लगता है। अगर मैं यह डर लेकर बैठ जाऊं, तो कहीं न कहीं मेरी एक्सप्लोरेशन और एक्सपेरिमेंट मार खा जाएगी।

## श्वेता तिवारी के इस स्टनिंग लुक को देख फैंस बोले - अतिसुंदर

श्वेता तिवारी ब्लू कलर के टॉप और व्हाइट एंड ब्लू प्रिंट वाली स्लिट स्कर्ट में बेहद ग्लैमरस लग रहीं हैं, जिन पर फैन्स दिल हार...

## मौनी रॉय ने ब्लैक ड्रेस में दिए बोल्ड पोज, फोटोज में देखें हॉटनेस ओवरलोडेड

मौनी रॉय अलग–अलग अंदाज में एक से बढ़कर एक किलर पोज देती हुई नजर आ रहीं हैं।

## इस एक्टर को श्रद्धा कपूर ने किया था प्रपोज

इन दिनों फिल्म स्त्री 2 के ब्लॉकबस्टर होने से सुर्खियों में बनीं हुईं श्रद्धा कपूर ने हाल ही में एक मजेदार किस्सा शेयर किया है। एक्ट्रेस ने बताया है कि वो एक्टर वरुण धवन को प्रपोज कर चुकी हैं। हालांकि वरुण धवन ने उनका प्रपोजल ठुकराते हुए ये कहा था कि उन्हें लड़कियां पसंद नहीं हैं। हाल ही में शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में श्रद्धा कपूर ने वरुण द्वारा प्रपोजल रिजेक्ट करने का किस्सा शेयर किया है। उन्होंने कहा, वरुण ने मेरा प्रपोजल रिजेक्ट किया था (8 साल की उम्र में)। हम अपने डेड के शूट्स पर गए थे। मुझे बचपन में वरुण पर एक छोटा सा क्रश था। तो हम एक माउंटेन टॉप पर गए। पहाड़ के ऊपर हम खेलते–खेलते गए। मैंने कहा कि मैं एक बात बोलुंगी आपसे वरुण। मैं उल्टा बोलुंगी, तो आप उसका मतलब समझ जाना। मैंने उससे कहा यू लव आई।आगे श्रद्धा कपूर ने बताया है कि प्रपोजल के जवाब में वरुण धवन ने कहा था, नो, नो, मुझे लड़कियां पसंद नहीं है। और वो भाग गया। बताते चलें कि हाल ही में रिलीज हुई फिल्म स्त्री 2 में वरुण धवन ने कैमियो किया है। मैडॉक फिल्म की सुपरनेचुरल फ्रैंचाइजी की ये 5वीं फिल्म है, जिसमें इस फ्रैंजाइजी की फिल्म भेड़िया के किरदारों को भी शामिल किया गया था। स्त्री 2 के साथ ही भेड़िया 2 की मेंकिग पर हिंट दिया गया है। वहीं फिल्म में वरुण धवन और श्रद्धा कपूर का गाना भी है। इससे पहले वरुण धवन और श्रद्धा कपूर फिल्म एबीसीडी 2 में साथ नजर आ चुके हैं। वरुण धवन के पिता डेविड धवन के निर्देशन में बनीं कई फिल्मों में श्रद्धा कपूर के पिता शक्ति कपूर ने काम किया है। दोनों की फिल्मों में राजा बाबू, हीरो नंबर 1, बनारसी बाबू, कूली नंबर 1 और जुड़वा जैसी फिल्में शामिल हैं। रिपोर्ट्स में बताया गया था कि कृष फ्रैंचाइज की चौथी किस्त में ऋतिक रोशन के साथ मुख्य भूमिका निभाने के लिए श्रद्धा कपूर से बातचीत चल रही है। प्रशंसक इस नई जोड़ी को लेकर उत्साहित थे, क्योंकि उनकी अलग–अलग स्टार पावर और अभिनय क्षमता है। स्त्री 2 मूवीरू ऋतिक रोशन की बहुप्रतीक्षित सुपरहीरो फिल्म कृष 4 में श्रद्धा कपूर के साथ काम करने की अटकलों का बाजार गर्म है। हालांकि, सूत्रों ने कुछ और ही कहानी बताई है। इस सप्ताह की शुरुआत में, रिपोर्ट्स में बताया गया था कि कृष फ्रैंचाइज की चौथी किस्त में ऋतिक रोशन के साथ मुख्य भूमिका निभाने के लिए श्रद्धा कपूर से बातचीत चल रही है। प्रशंसक इस नई जोड़ी को लेकर उत्साहित थे, क्योंकि उनकी अलग–अलग स्टार पावर और अभिनय क्षमता है। लेकिन थोड़ा संभलकर रहें! बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के अनुसार ये अफवाहें निराधार हैं। कृष 4 के लिए कास्टिंग प्रक्रिया अभी तक शुरू भी नहीं हुई है। प्रोडक्शन टीम के एक करीबी सूत्र ने स्पष्ट किया, षफिल्म के बारे में सभी कास्टिंग अफवाहें झूठी हैं। हमने अभी तक कास्टिंग प्रक्रिया भी शुरू नहीं की है।ष कृष 4 भारत की प्रिय सुपरहीरो गाथा की विरासत को आगे बढ़ाता है, जिसकी शुरुआत 2003 में कोई मिल गया से हुई थी। ऋतिक रोशन द्वारा निभाए गए इस किरदार ने बॉलीवुड के सुपरहीरो जॉनर पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

## मनोज बाजपेयी ने 9 करोड़ में बेचा अपार्टमेंट

बॉलीवुड एक्टर मनोज बाजपेयी ने मुंबई स्थित अपना लग्जूरियस अपार्टमेंट 9 करोड़ रुपए में बेच दिया है। एक्टर का यह घर मिनर्वा में था जो लोखंडवाला कटारिया कंस्ट्रक्शन द्वारा बनाया गया एक लग्जरी टावर है। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट की मानें तो मनोज के महालक्ष्मी लोकेलिटी स्थित इस अपार्टमेंट को खरीदने के लिए खरीदार ने 54 लाख रुपए स्टाम्प ड्यूटी के तौर पर भरे हैं। इस ट्रांजैक्शन को एग्रीमेंट टू सेल में डॉक्यूमेंट किया गया है और इस साल अगस्त में ही रजिस्टर कराया गया। मनोज ने 2013 में खरीदा था यह अपार्टमेंट रिपोर्ट्स की मानें तो मनोज ने यह अपार्टमेंट करीब एक दशक पहले अप्रैल 2013 में खरीदा था। यह उनकी पत्नी शबाना बाजपेयी के नाम पर था। कपल ने तब इसे 6 करोड़ 40 लाख रुपए में खरीदा था और 32 लाख रुपए स्टाम्प ड्यूटी के तौर पर चुकाए थे। इसके साथ ही उन्होंने रजिस्ट्रेशन फीस के तौर पर 30 हजार रुपए भी दिए थे। एक तरफ महालक्ष्मी रेसकोर्स, दूसरी तरफ अरब सागर बल्डिंग के 47वें फ्लोर पर स्थित इस अपार्टमेंट के ठीक सामने महालक्ष्मी रेसकोर्स है। वहीं टावर के एक तरफ अरब सागर नजर आता है।

## एयरपोर्ट पर वाइफ शूरा का हाथ थामे कुछ इस अंदाज में दिखे अरबाज खान

अरबाज खान और शूरा खान एक–दूसरे का हाथ थामे एयरपोर्ट पर कुछ इस अंदाज में नजर...

यूरिक एसिड एक प्रकार का रसायन है जो हमारे शरीर में (प्यूरिन) के टूटने से बनता है। अगर शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा ज्यादा हो जाती है, तो इससे गाउट, किडनी स्टोन, और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। कुछ खाद्य पदार्थ, खासकर सब्जियाँ, यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ा सकती हैं। इसलिए, अगर आप यूरिक एसिड की समस्या से परेशान हैं, तो आपको अपनी डाइट पर ध्यान देने की जरूरत है। आजकल बहुत से लोग यूरिक एसिड बढ़ने से परेशान रहते हैं, यह गाउट, जोड़ों में दर्द, किडनी की पथरी जैसी समस्याओं का बड़ा कारण है, कुछ सब्जियां इसका लेवल बढ़ा सकती हैं। ऐसे में यूरिक एसिड बढ़ने पर आपको कुछ सब्जियों के सेवन से बचना चाइए। इस लेख में हम पांच ऐसी सब्जियों के बारे में जानेंगे जो यूरिक एसिड को बढ़ा सकती हैं।

पालक

पालक में प्यूरिन की उच्च मात्रा होती है, जो शरीर में यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ा सकती है। हालांकि, पालक पोषक तत्वों से भरपूर होती है, इसलिए इसे सीमित मात्रा में खाना चाहिए। ऐसे में यूरिक एसिड के मरीज पालक का सेवन न करे।

ब्रोकोली

ब्रोकोली में प्यूरिन की मात्रा बहुत कम होती है, जिससे यह यूरिक एसिड के स्तर को काफी हद तक नहीं बढ़ाती। इसलिए, ब्रोकोली को सामान्य मात्रा में खाना आमतौर पर सुरक्षित होता है। अगर आपको यूरिक एसिड की समस्या है, तो ब्रोकोली को अपनी डाइट में शामिल करना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। हालांकि, आपको एक संतुलित आहार अपनाना चाहिए और डॉक्टर की सलाह के अनुसार खाने की योजना बनानी चाहिए।

फूलगोभी

एक पौष्टिक सब्जी है जो हमारे आहार में शामिल की जाती है। लेकिन फूलगोभी में प्यूरिन की मात्रा अधिक होती है, इसलिए यह यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। साथ ही,इसे खाने से शरीर को कई बिमारियों का खतरा बढ़ जाता हैं।

टमाटर

टमाटर में भी प्यूरिन होता है, और यह कुछ लोगों में यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ा सकता है, हालांकि यह प्रभाव अलग–अलग लोगों पर अलग–अलग हो सकता है।

मशरूम

मशरूम में प्यूरिन की मात्रा अधिक होती है, जो यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ाने में योगदान कर सकती है।

बीन

विभिन्न प्रकार की बीन्स, जैसे राजमा और चने, में भी प्यूरिन की मात्रा होती है। इन्हें अधिक मात्रा में खाने से यूरिक एसिड का स्तर बढ़ सकता है।

अदरक

अदरक में भी प्यूरीन होता है, जो गाउट (ळवनज) के लक्षणों को बढ़ा सकता है।

हरी मटर

हरी मटर में प्यूरीन की अधिकता होती है, और इसका अधिक सेवन करने से यूरिक एसिड का स्तर बढ़ सकता है।

स्वास्थ्य और सेहत के मामलों में डॉक्टर की सलाह लेना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। विशेषज्ञ से परामर्श करने से आपको सही दिशा–निर्देश मिलते हैं और आपके स्वास्थ्य समस्याओं का सही समाधान होता है। इसलिए, किसी भी स्वास्थ्य समस्या या चिकित्सा स्थिति के लिए डॉक्टर की सलाह अवश्य लें। आपकी सेहत ही सबसे बड़ी संपत्ति है, और इसे ठीक से देखभाल करना आपकी जिम्मेदारी है।

आजकल की तेज–रफ्तार जिंदगी और स्क्रीन पर बिताए गए समय के कारण आंखों की समस्याएं आम होती जा रही हैं। बहुत से लोग चश्मे का सहारा लेते हैं या आंखों की रोशनी कम होने की समस्या का सामना कर रहे हैं। हालांकि, चिकित्सा विज्ञान और दवाइयों के अलावा भी आंखों की देखभाल के लिए कुछ नेचुरल उपाय मौजूद हैं। योग और व्यायाम की मदद से आपकी आंखों की सेहत में सुधार हो सकता है। विशेष रूप से, कुछ योगासन और तकनीकें हैं जो आंखों की मांसपेशियों को मजबूत बनाकर, रक्त प्रवाह को बढ़ाकर, और दृष्टि को सुधारने में मदद कर सकती हैं। अगर आप नियमित रूप से इन योगासनों का अभ्यास करें, तो आपकी आंखों की रोशनी में सुधार संभव है और आप चश्मा लगाने से भी मुक्ति पा सकते हैं। इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ प्रभावशाली योगासनों के बारे में बताएंगे, जो आपकी आंखों की देखभाल में सहायक हो सकते हैं। चलिए जानते हैं उन योगासन के बारे में

अंजन चालन

सीधे बैठ जाएँ और अपनी आँखों को बंद करें। अब अपनी आँखों को धीरे–धीरे ऊपर, नीचे, बाईं और दाईं ओर घुमाएँ। यह प्रक्रिया 5–10 बार हर दिशा में करें।

यह आंखों की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और दृष्टि में सुधार लाता है।

पलकों की एक्सरसाइज

आरामदायक स्थिति में बैठ जाएँ। अपनी आँखों को पूरी तरह से बंद करें और पलकों को तेजी से ऊपर–नीचे करें। यह प्रक्रिया 10–15 बार करें। यह आंखों की मांसपेशियों को स्फूर्ति और ताकत प्रदान करता है, जिससे आंखों का थकावट दूर होता है।

ध्यान और त्राटक

एक स्थिर बिंदु, जैसे मोमबत्ती की लौ या किसी छोटे बिंदु पर ध्यान केंद्रित करें। ध्यान लगाते हुए इसे बिना पलक झपकाए देखें। कुछ समय बाद आँखें बंद कर लें और गहरी सांस लें।यह आंखों की मांसपेशियों को प्रशिक्षित करता है, आंखों की रोशनी में सुधार लाता है, और तनाव कम करता है।

सूक्ष्म प्राणायाम

त्राटक योग के साथ साथ आंखों के सूक्ष्म प्राणायाम को भी काफी मददगार कहा गया है। इस योग में अपने हाथ के अंगूठे को देखते रहना है। फिर हाथ को दाईं से बाईं तरफ और बाईं से दाईं तरफ घुमाना है और आंखों को भी अंगूठे पर केंद्रित रखना है। यानी जहां जहां अंगूठा जाएगा, आंखों को वहीं ध्यान केंद्रित करना है। इस व्यायाम को रोज करीब 15 मिनट तक करने पर आंखों की रोशनी तेज होती है और साथ साथ आंखों से जुड़ी कई परेशानियां दूर होती हैं। कहा गया है कि इन दोनों योग को लगातार कुछ महीने तक किया जाए तो बिना दवाई और ऑपरेशन के आपकी आंखों से पावर का चश्मा उतर सकता है। इन दोनों व्यायाम को सुबह के समय करना चाहिए। इसके साथ साथ आंखों को आराम देना, मोबाइल कम देखना और आई एक्सपोजर कम करने से भी मदद मिलती है।

नेत्र प्यारी

दोनों हाथों को गहरे से गर्म करें और फिर अपनी आँखों को पूरी तरह से ढक लें। आराम की स्थिति में बैठें और गहरी सांस लें। यह प्रक्रिया 2–3 मिनट तक करें।

यह आंखों को आराम देता है, दृष्टि में सुधार लाता है, और आँखों के थकावट को कम करता है।

इन योगासनों का नियमित अभ्यास (हर दिन 15–20 मिनट) तीन महीने के भीतर आपकी आंखों की रोशनी पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। ध्यान दें कि इन आसनों को सही विधि और नियमितता के साथ किया जाए, ताकि अधिकतम लाभ प्राप्त हो सके।

बरसात के मौसम में फलों का सेवन करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इस मौसम में कई पौष्टिक फल होते हैं, जो हमारी सेहत को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। इनमें से एक खास फल है नाशपाती, जो स्वाद में तो लाजवाब है ही, साथ ही पोषक तत्वों से भी भरपूर है। नाशपाती को सेहत के लिए एक वरदान माना जा सकता है, क्योंकि इसमें कई महत्वपूर्ण विटामिन्स, मिनरल्स और प्लांट कंपाउंड्स होते हैं जो हमें कई बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। यह फल डायबिटीज और वजन घटाने में सहायक होता हैं। नाशपाती के स्वास्थ्य लाभों पर कई शोध भी किए गए हैं, जो इसके फायदे साबित करते हैं। आइए, जानते हैं नाशपाती खाने के प्रमुख फायदों के बारे में।

पाचन तंत्र को ठीक करे

नाशपाती में मौजूद हाई फाइबर पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मददगार साबित होता है। यह पाचन तंत्र के लिए जरूरी होते हैं। फाइबर शरीर में जाकर पेट साफ करने में मदद करता है और आंतों की परेशानियों से राहत दिलाता है। एक नाशपाती में करीब 6 ग्राम फाइबर होता है, जो आपकी दैनिक जरूरत का 21 प्रतिशत है। नाशपाती पेक्टिन से भरपूर होता है, जो पेट की सेहत को बेहतर बनाता है। यह फल कब्ज से राहत दिलाता है। नाशपाती के छिलके में पर्याप्त मात्रा में फाइबर होता है, इसलिए इस फल को बिना छीले खाना सबसे अच्छा है।

हृदय स्वास्थ्य को ठीक करे

नाशपाती में पोटेशियम की अच्छी मात्रा होती है, जो रक्तचाप को कंट्रोल करने में मदद करता है और हृदय स्वास्थ्य को बनाए रखता है। नाशपाती आपके हृदय के स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हो सकती है। इसमें प्रोसायनिडिन नामक एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो दिल के टिशू को सख्त होने से बचाता है। इससे चलते बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) कम होता है और गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) बढ़ता है, जिससे हृदय रोग का खतरा कम होता है। नाशपाती के छिलके में क्वेरसेटिन नामक एक और एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो सूजन को कम करने में मदद करता है और दिल की सेहत को बेहतर बनाता है।

वजन घटाने में असरदार

वजन घटाने में नाशपाती बेहद प्रभावशाली साबित हो सकती है। इसमें कैलोरी की मात्रा कम होती है, जबकि पानी और फाइबर की भरपूर मात्रा होती है। यह वजन घटाने में मदद करता है, क्योंकि फाइबर और पानी पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराते हैं, जिससे आप कम खाने की इच्छा होती हैं। इसका उच्च फाइबर कंटेंट वजन घटाने में मदद कर सकता है क्योंकि यह पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है और अधिक खाने की इच्छा को कम करता है।

हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायक

नाशपाती में विटामिन सी अच्छी मात्रा में होता है, जो हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। विटामिन सी हड्डियों के निर्माण और उनकी मजबूती के लिए आवश्यक है, क्योंकि यह हड्डियों में कैल्शियम को सही स्थान पर जमा करने में मदद करता है और हड्डियों की घनत्व को बनाए रखता है।

नाशपाती का सेवन स्किन के लिए फायदेमंद

नाशपाती में विटामिन सी अच्छी मात्रा में होता है, जो त्वचा की चमक को बनाए रखने और उसे स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है। विटामिन ६ कोलेजन के उत्पादन को बढ़ावा देता है, जो त्वचा की लोच और मजबूती के लिए महत्वपूर्ण है। नाशपाती में पानी की अच्छी मात्रा होती है, जो त्वचा को हाइड्रेटेड रखने में मदद करता है। अच्छी तरह हाइड्रेटेड त्वचा नर्म और चमकदार रहती है, और जल्दी से सूखती नहीं है।

इन फायदों के साथ, नाशपाती को अपने दैनिक आहार में शामिल करना एक स्वस्थ जीवनशैली के लिए अच्छा होता है।

पतले होने के लिए कई लोग विभिन्न उपाय अपनाते हैं, और उनमें से एक सरल लेकिन प्रभावी तरीका गर्म पानी का सेवन करना है। गर्म पानी पीने के कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं, जो वजन घटाने में सहायक हो सकते हैं। यह प्रक्रिया आपके पाचन तंत्र को सक्रिय करने, मेटाबोलिज्म को बढ़ावा देने और शरीर से टॉक्सिक पदार्थों को बाहर निकालने में मदद कर सकती है। गर्म पानी पीने का सही तरीका और समय जानना भी महत्वपूर्ण है, ताकि आप इसके लाभों का पूरा उपयोग कर सकें। सुबह खाली पेट, भोजन के पहले और बाद में, और रात को सोने से पहले गर्म पानी पीना आपकी सेहत को बेहतर बनाने और वजन घटाने में मदद कर सकता है। इस लेख में, हम आपको बताएंगे कि गर्म पानी पीने का सही तरीका क्या है और यह कैसे आपके पतले होने के लक्ष्य को पूरा करने में सहायक हो सकता है। चलिए जानते हैं......

गर्म पानी कब पिएं

सुबह खाली पेट

सुबह उठने के बाद खाली पेट गर्म पानी पीना बहुत लाभकारी होता है। यह आपके मेटाबोलिज्म को सक्रिय करता है और पाचन तंत्र को साफ करता है।

भोजन के पहले

भोजन के 20–30 मिनट पहले एक गिलास गर्म पानी पीना आपके पाचन में मदद कर सकता है और खाना अच्छी तरह से पचने में सहायता करता है।

भोजन के बाद

भोजन के बाद गर्म पानी पीने से पाचन में सहायता मिलती है और पेट की भावना को हल्का किया जा सकता है। हालांकि, भोजन के तुरंत बाद पानी पीने से बचना चाहिए।

रात को सोने से पहले

रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म पानी पीने से शरीर में विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद मिलती है और नींद की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है।

ताजा और स्वच्छ पानी

हमेशा ताजे और स्वच्छ पानी का उपयोग करें। उबालकर पानी पीना बेहतर होता है क्योंकि इससे बैक्टीरिया और अन्य संक्रमणों का खतरा कम होता है।

अधिक गर्म न करें

पानी को इतना गर्म न करें कि पीने में मुश्किल हो। सामान्यतः, हल्के गर्म पानी को पीना सबसे अच्छा होता है।

संतुलित मात्रा में पिएं

गर्म पानी का सेवन संतुलित मात्रा में करें। अत्यधिक गर्म पानी पीने से शरीर में गर्मी बढ़ सकती है और इससे स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

गर्म पानी पीने के लाभ

मेटाबोलिज्म को बढ़ावा

गर्म पानी पीने से आपके मेटाबोलिज्म की गति बढ़ जाती है, जिससे कैलोरी जलाने में मदद मिलती है। यह आपके वजन घटाने की प्रक्रिया को तेज कर सकता है।

डाइजेशन में सुधार

गर्म पानी आपके पाचन तंत्र को उत्तेजित करता है और खाना पचाने में मदद करता है। इससे पेट में गैस, सूजन और अन्य पाचन संबंधी समस्याओं को कम किया जा सकता है।

टॉक्सिन्स का फ्लश आउट

गर्म पानी पीने से शरीर से विषाक्त पदार्थों (टॉक्सिन्स) को बाहर निकालने में मदद मिलती है, जो त्वचा और आंतरिक अंगों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है।

हंगर क्रेविंग्स को नियंत्रित करना

गर्म पानी पीने से आपको अधिक तृप्ति महसूस हो सकती है, जिससे आपके भोजन की मात्रा कम हो सकती है और वजन घटाने में सहायता मिलती है।

गर्म पानी पीना एक साधारण और असरदार उपाय हो सकता है, लेकिन इसे अन्य स्वस्थ जीवनशैली के आदतों के साथ मिलाकर उपयोग करना सबसे प्रभावी होता है। वजन घटाने के लिए एक स्वस्थ आहार और नियमित व्यायाम भी महत्वपूर्ण हैं।

## संक्षिप्त

### एसएमई आईपीओ नियमों को कड़ा करने की तैयारी कर रहा है सेबी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पूर्णकालिक सदस्य अश्विनी भाटिया ने शुक्रवार को कहा कि पूंजी बाजार नियामक एसएमई आईपीओ की निगरानी करने वाले नियमों कोकड़ा करेगा। यह टिप्पणी सेबी द्वारा निवेशकों को कई लघु एवं मझोले उद्यमों (एसएमई) के भ्रामक कारोबारी अनुमानों के बारे में आगाह करने के कुछ दिन बाद आई है। भाटिया ने यहां वार्षिक जीएफएफ (ग्लोबल फिनटेक फेस्ट) के मौके पर संवाददाताओं को बताया कि इस वर्ष के अंत से पहले इस पहलू पर एक परिचिर्चा पत्र लाने की योजना है। भाटिया ने कहा कि इन बदलावों में बेहतर निगरानी और लेखा परीक्षकों के मोर्चे पर कड़ी जांच शामिल हो सकती है। उन्होंने कहा कि यदि चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) अपना काम लगन से करें तो समस्याओं से बचा जा सकता है। भाटिया ने कहा कि प्राथमिक निर्गम वित्त वर्ष के पहले पांच माह में ही दो लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गए हैं, जबकि पिछले पूरे वित्त वर्ष 2023–24 में यह आंकड़ा 1.97 लाख करोड़ रुपये का था।

### एनटीपीसी को 12,000 करोड़ रुपये तक जुटाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिली

सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी ने शुक्रवार को कहा कि उसे 12,000 करोड़ रुपये तक जुटाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने बताया कि यह राशि निजी नियोजन के आधार पर गैर–परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) जारी करके जुटाई जानी है। कंपनी ने शेयर बाजार

एनटीपीसी NTPC

को बताया, ''48वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में प्रस्तावित सभी प्रस्तावों को अपेक्षित बहुमत से पारित कर दिया गया।'' एनटीपीसी के एजीएम नोटिस में कहा गया कि कंपनी के निदेशक मंडल ने 29 जून, 2024 को हुई अपनी बैठक में अगले 12 महीनों में 12,000 करोड़ रुपये तक जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। शेयरधारकों से इस प्रस्ताव को पारित करने की सिफारिश की गई थी। नोटिस में आगे कहा गया कि कंपनी क्षमता विस्तार कर रही है और इसकी पूंजीगत व्यय आवश्यकता का एक बड़ा हिस्सा कर्ज के जरिये जुटाया जाएगा।

### जयपुर तेजी से प्रमुख बाजार के रूप में उभर रहा : अमेजन इंडिया

ई–कॉमर्स कंपनी अमेजन इंडिया ने कहा है कि जयपुर किराना, शिशु देखभाल, स्वास्थ्य और व्यक्तिगत देखभाल और पालतू जानवरों की देखभाल उत्पादों जैसी श्रेणियों में त्योहारी सत्र में आवश्यक वस्तुओं के लिए एक प्रमुख बाजार के रूप में उभरा है। कंपनी के 'कंज्यूमेबल्स' खंड के निदेशक निशांत रमन ने कहा,"जयपुर में उपभोक्ता मूंगफली का मक्खन, सूखे मेवे, घी, स्वास्थ्य बार, होम्योपैथिक उपचार और मल्टीविटामिन जैसे पौष्टिक उत्पादों का चयन कर रहे हैं।" उन्होंने कहा, "अमेजन मूंगफली के मक्खन के लिए सबसे ज्यादा इकाई बेचने वाला चौथा बाजार है, जबकि यहां के निवासी राष्ट्रीय औसत की तुलना में तीन गुना ज्यादा स्वास्थ्यवर्द्धक, होम्योपैथिक उपचार, मल्टीविटामिन खरीदते हैं।" रमन ने कहा कि जयपुर कंपनी के लिए सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में से एक है।

### त्यौहारों से पहले ग्राहकों को लुभाने की तैयारियों में ज्वेलर्स, मेकिंग चार्ज पर छूट की पेशकश

मुंबई। अगले महीने यानी सात सितंबर से शुरू होने वाले महाराष्ट्र में गणपति उत्सव की तैयारियां जोरोशोर से चल रही हैं। इसके बाद नवरात्री, दशहरा, धनतेरस तथा दिवाली जैसे बड़े त्यौहारों के साथ शादियों का सीजन शुरू होने वाला है।

इसके लिए ज्वेलर्स ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिसमें गणपत्ति उत्सव के लिए विशेष गहनों के कलेक्शन के साथ एक्सचेंज ऑफर और आभूषणों की बनवाई पर 10 से 15 प्रतिशत तक की छूट देने के लिए तैयार है। उद्योग का कहना है कि ज्वैलर्स ने त्योहारों और शादियों को लेकर अपने स्टॉक को 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ाया है। शादियों के लिए पहले से ऑर्डर भी दिए जा रहे हैं, इसके लिए ज्वेलर्स ने पहले ही अपनी सभी तैयारियों को पूरा कर लिया है। रिटेल ज्वेलर्स के बात करें तो मालाबार गोल्ड कई तहर के नए कलेक्शन बाजार में पेश करेगा। वहीं त्यौहारी सीजन के बीच टाइटन की तनिष्क अपनी खुदरा उपस्थिति बढ़ाने, सोने के एक्सचेंज ऑफर, शादी के सीजन का लाभ उठाने और बाजार में अपनी स्थिति को और मजबूत करने के लिए नए कलेक्शन लॉन्च करने में बड़ा निवेश करने पर दांव लगा रही है।

# राहुल द्रविड़ के बेटे समित का गरजेगा बल्ला

## ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम इंडिया में हुई एंट्री

*यह पहली बार है जब समित को भारत की U19 टीम में नामित किया गया है। मोहम्मद अम्मान को 50 ओवर की टीम का कप्तान बनाया गया है। अम्मान मध्यक्रम के बल्लेबाज हैं और उत्तर प्रदेश (यूपी) के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं।*

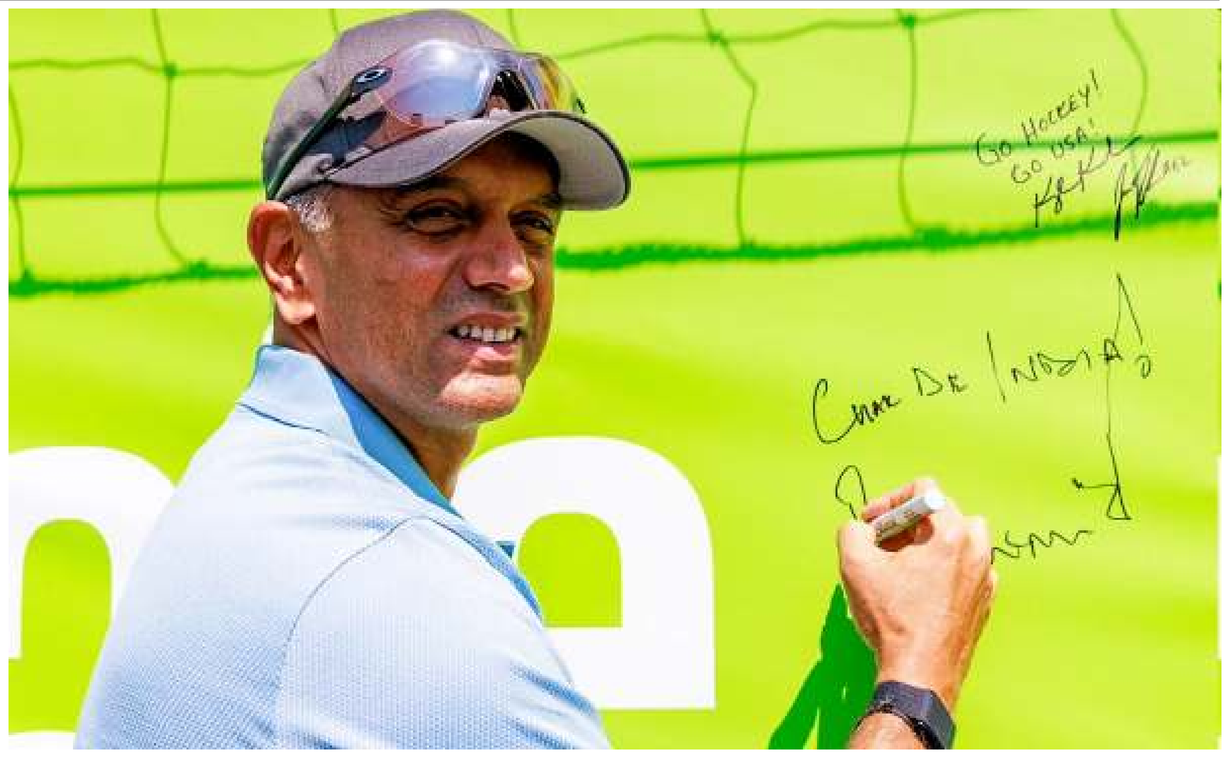


टीम इंडिया के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ को ऑस्ट्रेलिया U19 के खिलाफ आगामी बहु–प्रारूप घरेलू श्रृंखला के लिए भारत की U19 टीम में नामित किया गया है। यह पहली बार है जब समित को भारत की न19 टीम में नामित किया गया है। मोहम्मद अम्मान को 50 ओवर की टीम का कप्तान बनाया गया है। अम्मान मध्यक्रम के बल्लेबाज हैं और उत्तर प्रदेश (यूपी) के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। चार दिवसीय श्रृंखला के लिए सोहम पटवर्धन को कप्तान घोषित किया गया है। पटवर्धन घरेलू क्षेत्र में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हैं। विशेष रूप से, समित वर्तमान में महाराजा केएससीए टी20 ट्रॉफी में मैसूर वारियर्स के लिए खेल रहे हैं और यह सीनियर स्तर पर उनका पहला टूर्नामेंट है। जुलाई में नीलामी में मैसूर वॉरियर्स ने समित को 50,000 रुपये में खरीदा था। वह टीम इंडिया से बाहर चल रहे बल्लेबाज करुण नायर के नेतृत्व में खेल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया U19 के खिलाफ एक दिवसीय श्रृंखला के लिए भारत U19 टीमः रुद्र पटेल (VC) (GCA), साहिल पारख (MAHCA), कार्तिकेय केपी (KSCA), मोहम्मद अमान (C) (UPCA), किरण चोरमले (MAHCA), अभिज्ञान कुंडू (डब्ल्यूके) (एमसीए), हरवंश सिंह पंगालिया (डब्ल्यूके) (एससीए), समित द्रविड़ (केएससीए), युधाजीत गुहा (सीएबी), समर्थ एन (केएससीए), निखिल कुमार (यूटीसीए), चेतन शर्मा (आरसीए), हार्दिक राज ( केएससीए), रोहित राजावत (एमपीसीए), मोहम्मद एनान (केसीए) ऑस्ट्रेलिया अंडर–19 के खिलाफ चार दिवसीय श्रृंखला के लिए भारत की अंडर–19 टीमः वैभव सूर्यवंशी (बिहार सीए), नित्या पंड्या (बीसीए), विहान मल्होत्रा (वीसी) (पीसीए), सोहम पटवर्धन (सी) (एमपीसीए), कार्तिकेय केपी (केएससीए), समित द्रविड़ (केएससीए), अभिज्ञान कुंडू (डब्ल्यूके) (एमसीए), हरवंश सिंह पंगालिया (डब्ल्यूके) (एससीए), चेतन शर्मा (आरसीए), समर्थ एन (केएससीए), आदित्य रावत (सीएयू), निखिल कुमार (यूटीसीए), अनमोलजीत सिंह (पीसीए), आदित्य सिंह (यूपीसीए), मोहम्मद एनान (केसीए)

### विनेश फोगाट ने राजनीतिक डेब्यू को लेकर कर दिया साफ, कहा- चुनाव से मतलब नहीं

पेरिस ओलंपिक से लौटने के बाद विनेश फोगाट की राजनीति से जुड़ने की अफवाहें हैं। अभी तक विनेश ने इस पर चुप्पी साधी हुई थी लेकिन शनिवार को शंभू बॉर्डर पर किसान आंदोलन में पहुंचीं। विनेश से यहां भी राजनीति को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें चुनावों से कोई लेना देना नहीं है। विनेश फोगाट से पूछा गया कि अगर कांग्रेस उन्हें टिकट देती है तो क्या वह हरियाणा लोकसभा में चुनाव लड़ेंगी। जवाब देते हुए विनेश ने कहा कि, मैं चुनाव लड़ने को लेकर कुछ नहीं कहूंगी। मैं राजनीति के बारे में बात नहीं करूंगी। मैं अपने परिवार के पास आई हूं। अगर आप इसके बारे में बात करेंगे इनकी लड़ाई और संघर्ष को बर्बाद कर रहे हैं। आज फोकस मुझ पर नहीं है। साथ ही विनेश ने कहा कि, मैं आपसे अपील कर रही हूं। मैं एथलीट हूं, मैं पूरे देश की हूं। किस प्रदेश में चुनाव हो रहे हैं इससे मेरा कोई मतलब नहीं होता है। मैं बस इतना जानती हूं कि मेरे देश के किसान मुश्किल में हैं। उनकी परेशानी को सरकार को खत्म करना चाहिए। ये सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। विनेश फोगाट ने आगे कहा कि, हर कोई मजबूरी में आंदोलन करता है।

## गत चैंपियन नोवाक जोकोविच अमेरिकी ओपन से बाहर, कोको गॉफ अगले दौर में

*नोवाक जोकोविच भी चार सेट तक चले मुकाबले में हारकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गए लेकिन महिला वर्ग में मौजूदा चौंपियन कोको गॉफ अगले दौर में प्रवेश करने में सफल रही। अपना 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में लगे जोकोविच को ऑस्ट्रेलिया के 28वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन ने6–4, 6–4, 2–6, 6–4 से हराया।*

कार्लोस अल्कराज के बाहर होने के एक दिन बाद गत चौंपियन नोवाक जोकोविच भी चार सेट तक चले मुकाबले में हारकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गए लेकिन महिला वर्ग में मौजूदा चौंपियन कोको गॉफ अगले दौर में प्रवेश करने में सफल रही। अपना 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में लगे जोकोविच को ऑस्ट्रेलिया के 28वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन ने6–4, 6–4, 2–6, 6–4 से हराया। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो यह मेरा अभी तक का सबसे खराब प्रदर्शन है। यह मैच मेरे लिए किसी दुस्वप्न की तरह था। मैं अपने सर्वश्रेष्ठ के करीब भी नहीं खेल पाया।'' यह 2017 के बाद पहला अवसर है जबकि दूसरी वरीयता प्राप्त जोकोविच साल में एक भी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट नहीं जीत पाए। इससे पहले 2010 में भी ऐसा हुआ था। यही नहीं यह 2002 के बाद पहला अवसर है जबकि टेनिस के तीन दिग्गज खिलाड़ी जोकोविच, राफेल नडाल और रोजर फेडरर में से किसी ने भी किसी एक साल में ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी हासिल नहीं की। जोकोविच इससे पहले 2005 और 2006 में अमेरिकी ओपन के तीसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाए थे। यह 37 वर्षीय खिलाड़ी 2011, 2015, 2018 और 2023 में यहां चौंपियन बना था। पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले जोकोविच ने 14 बार डबल फॉल्ट किया और वह मैच के दौरान थके हुए नजर आ रहे थे। ऑस्ट्रेलिया के 25 वर्षीय पोपिरिन की जोकोविच के खिलाफ यह पहली जीत है। अब उनका मुकाबला अमेरिका के 20वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसिस टियाफो से होगा जिन्होंने हमवतन बेन शेन्टन को 4–6, 7–5, 6–7 (5), 6–4, 6–3 से पराजित किया।

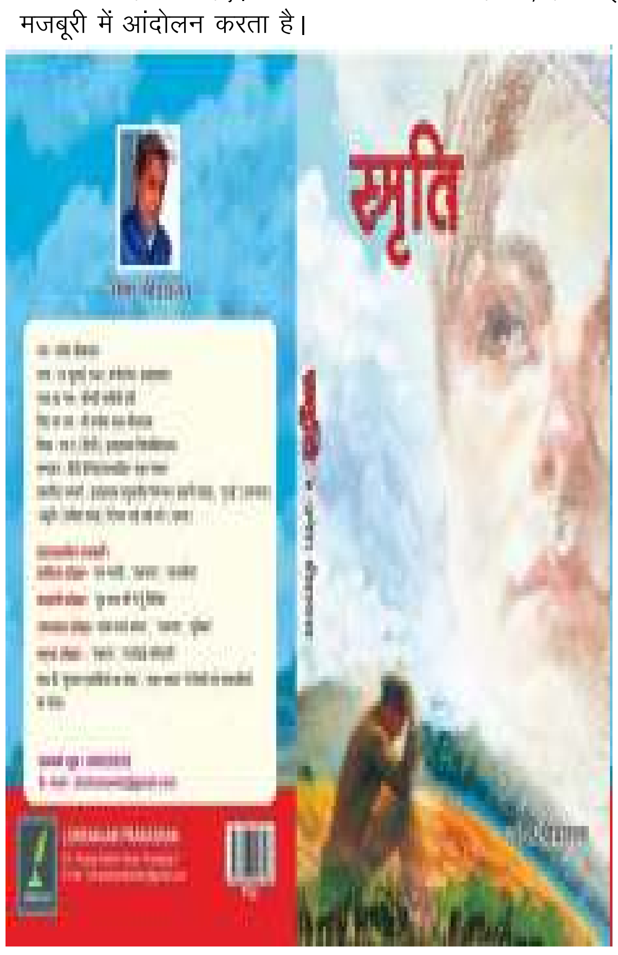


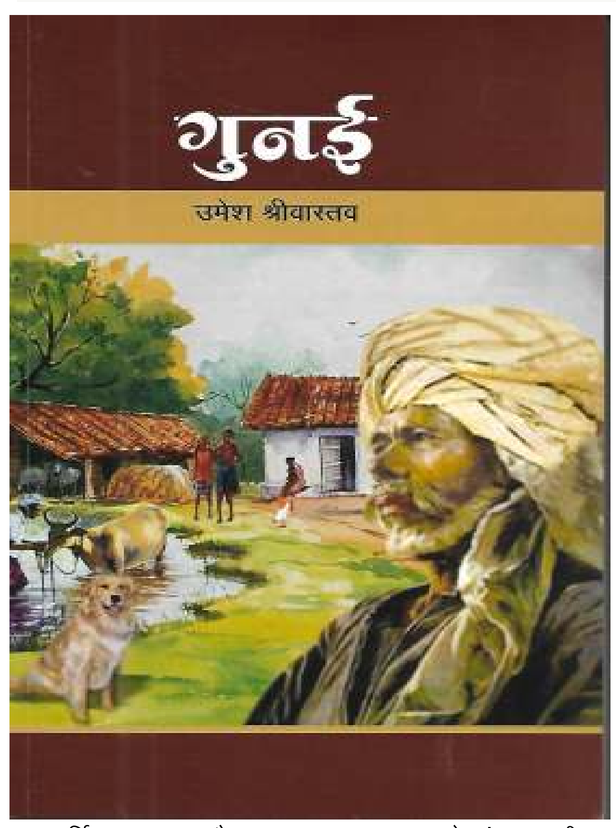


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

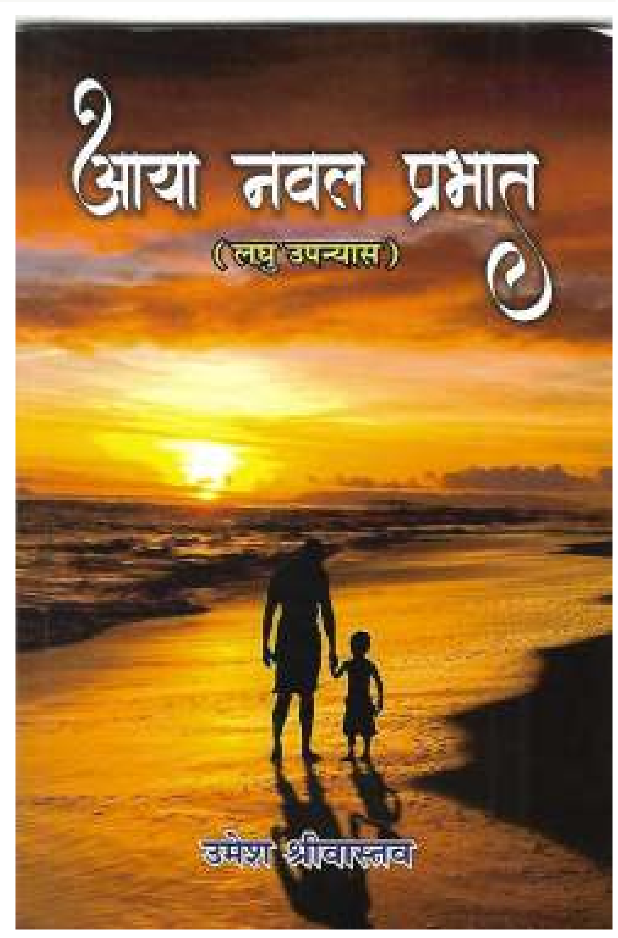


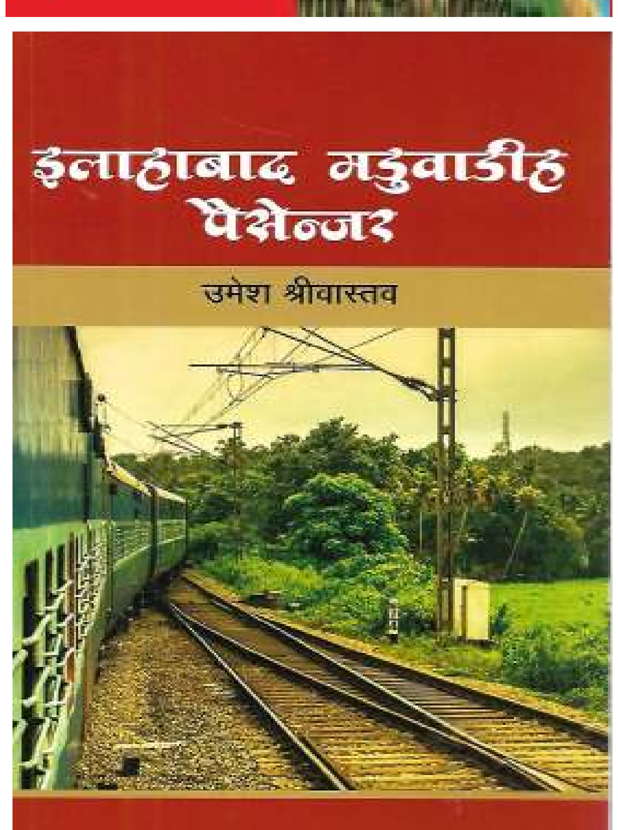


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

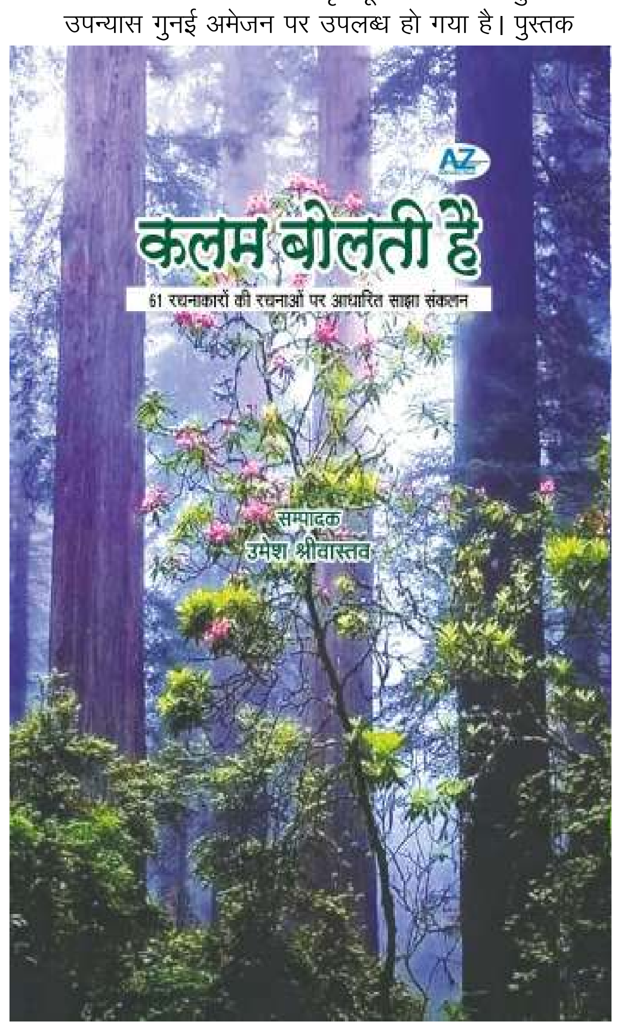


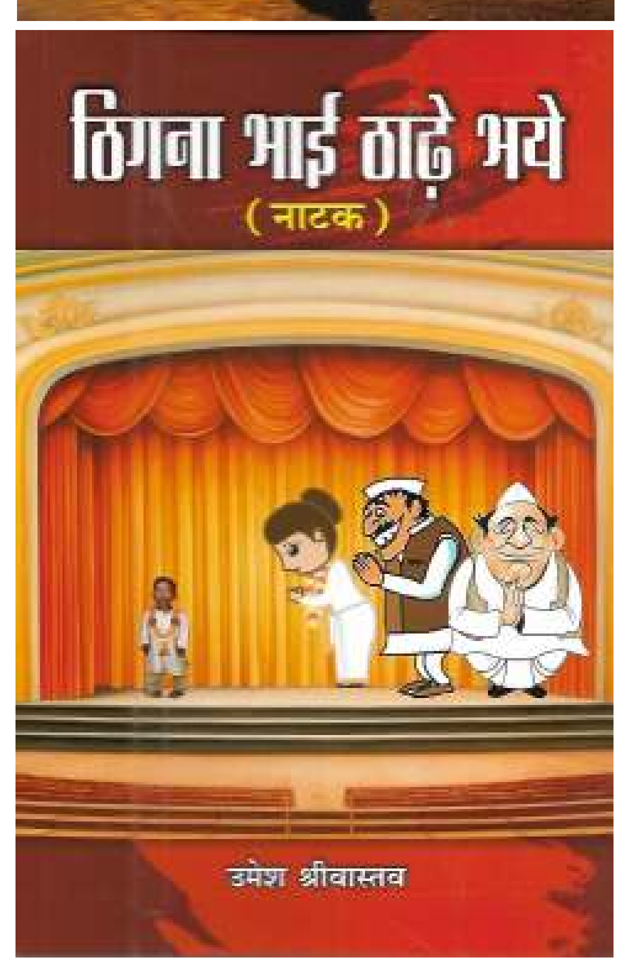


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

## संक्षिप्त समाचार

### बांग्लादेश मामले में हुई संयुक्त राष्ट्र की एंट्री, ले लिया ये बड़ा फैसला

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके सहयोगी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। उनके खिलाफ मामलों की कुल संख्या 100 से अधिक हो गया है। इन मामलों में हत्या, मानवता के खिलाफ अपराध और कई गंभीर आरोप शामिल हैं। व्यापक छात्र और सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन के कारण 5 अगस्त को उनकी बांग्लादेश अवामी लीग के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद, सुश्री हसीना के खिलाफ पहला मामला

13 अगस्त को ढाका में दर्ज किया गया था। सौवां मामला 29 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में दर्ज किया गया था। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने कहा कि वह बांग्लादेश में पूर्ववर्ती सरकार के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शन को दबाने के लिए सुरक्षाबलों द्वारा अत्यधिक बल प्रयोग किए जाने से जुड़ी मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाओं की जांच के लिए एक तथ्यान्वेषी टीम तैनात करेगा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क के कार्यालय ने कहा कि उन्हें बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के नेता मुहम्मद यूनुस से टीम को बांग्लादेश भेजने का निमंत्रण मिला है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा आने वाले हफ्तों में होने वाली है। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता यूनुस ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफा देने और देश से भाग जाने के बाद इस महीने अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में पदभार संभाला था। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 15 जुलाई को छात्रों का आंदोलन हिंसक होने के बाद से बांग्लादेश में लगभग 650 लोग मारे गए हैं। इन आंकड़ों में मौत की वे घटनाएं भी शामिल हैं जो पांच अगस्त को हसीना के देश छोड़ने के बाद हुईं।

### सिंगापुर हवाई अड्डे पर भारतीय नागरिक के पास से 58 कछुए मिलने के बाद मामला दर्ज

सिंगापुर में चांगी हवाई अड्डे पर एक भारतीय नागरिक के पास पारगमन के दौरान 50 से अधिक कछुए मिलने के बाद शुक्रवार को मामला दर्ज किया गया। अब्दुल जाफर हाजी अली (40) भारत से जकार्ता की यात्रा कर रहे थे, जब वह बृहस्पतिवार की सुबह यहां रुके, तो अधिकारियों को उनके निजी सामान में 58 कछुए मिले। 'द स्ट्रेट्स टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार, एक अदालत ने अली पर शुक्रवार को अवैध रूप से जानवरों को सिंगापुर में लाने का आरोप लगाया – जो विलुप्तप्राय प्रजाति (आयात और निर्यात) अधिनियम के तहत एक अपराध है। उस पर अवैध रूप से कछुओं को सिंगापुर में लाने का आरोप है। खबर के अनुसार, अली के मामले का उल्लेख 20 सितंबर को फिर से अदालत में किया जाएगा।

### ब्रिटेन में भारतीय मूल की महिला ने 10 वर्षीय बेटी की हत्या की बात स्वीकार की

इंग्लैंड में भारतीय मूल की 33 वर्षीय एक महिला ने शुक्रवार को अपनी 10 वर्षीय बेटी की हत्या की बात स्वीकार की। बच्ची का शव इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र के एक कस्बे में उनके घर पर मिला था। जसकीरत कौर उर्फ जैस्मीन कांग पर चार मार्च को शे कांग की हत्या का आरोप लगाया गया था।

# अमेरिका और इराक ने आईएसआईएस आतंकवादियों को निशाना बनाकर संयुक्त छापेमारी की, 15 लोग मारे गए, सात अमेरिकी सैनिक घायल

वाशिंगटन। अधिकारियों के अनुसार, शनिवार को एक संयुक्त अभियान में, अमेरिकी सेना और इराकी बलों ने देश के पश्चिमी रेगिस्तान में संदिग्ध इस्लामिक स्टेट आतंकवादियों को निशाना बनाया, जिसमें कम से कम 15 लोग मारे गए और सात अमेरिकी सैनिक घायल हो गए। अमेरिका ने आरोप लगाया कि गुरुवार (29 अगस्त) को अनबर रेगिस्तान में हमले के दौरान आतंकवादी ष्कई हथियारों, हथगोले और विस्फोटक आत्मघाती बेल्टष् से लैस थे। इराक और सीरिया में आतंकवादियों को उनके स्वघोषित खिलाफत से बेदखल करने के बाद, अमेरिकी सेना ने इस्लामिक स्टेट समूह से लड़ना जारी रखा है, हालांकि शुक्रवार की छापेमारी में हताहतों की संख्या उस समय की तुलना में अधिक थी। सेंट्रल कमांड ने आतंकवादी समूह के लिए एक संक्षिप्त नाम का उपयोग करते हुए कहा, इस ऑपरेशन का लक्ष्य ISIS के नेताओं को इराकी नागरिकों के साथ–साथ पूरे क्षेत्र और उससे परे अमेरिकी नागरिकों, सहयोगियों और भागीदारों के खिलाफ हमलों की योजना बनाने, संगठित करने और संचालित करने की ष् की क्षमता को बाधित और कम करना था। इराकी सुरक्षा बल छापे गए स्थानों का और अधिक दोहन करना जारी रखते हैं। इसमें आगे कहा गयाः नागरिकों के हताहत होने का कोई संकेत नहीं है। इराकी सेना के एक बयान में कहा गया कि ष्हवाई हमलों ने ठिकानों को निशाना बनाया, उसके बाद हवाई अभियान चलाया गया। मृतकों में ISIS के प्रमुख नेता भी शामिल थे। इराक की सेना ने उनकी पहचान बताए बिना कहा। ष्सभी ठिकाने, हथियार और रसद सहायता नष्ट कर दी गई, विस्फोटक बेल्ट को सुरक्षित रूप से विस्फोटित कर

दिया गया और महत्वपूर्ण दस्तावेज, पहचान पत्र और संचार उपकरण जब्त कर लिए गए। एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर ऑपरेशन के विवरण पर चर्चा की, जिसे अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है, उन्होंने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि छापे में पांच अमेरिकी सैनिक घायल हो गए, जबकि दो अन्य ऑपरेशन में गिरने से घायल हो गए। अधिकारी ने कहा कि गिरने से घायल हुए एक सैनिक को मध्यपूर्व से बाहर ले जाया गया, जबकि घायलों में से एक को आगे के इलाज के लिए निकाला गया। अधिकारी ने कहा, ष्सभी कर्मियों की हालत स्थिर है।ष यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि अमेरिका को छापे में भाग लेने की बात स्वीकार करने में दो दिन क्यों लगे। इराक ने शुरू में घोषणा करते समय यह नहीं कहा कि अमेरिका ने ऑपरेशन में भाग लिया था, क्योंकि राजनेता देश में अमेरिकी सैनिकों के भविष्य पर बहस कर रहे थे। अपने चरम पर, इस्लामिक स्टेट समूह ने यूनाइटेड किंगडम के आधे आकार के क्षेत्र पर शासन किया, जहाँ इसने इस्लाम की अपनी चरम व्याख्या को लागू करने का प्रयास किया, जिसमें धार्मिक अल्पसंख्यक समूहों पर हमले और धर्मत्यागी समझे जाने वाले मुसलमानों को कठोर दंड देना शामिल था। संयुक्त राज्य अमेरिका के नेतृत्व में 80 से अधिक देशों का एक गठबंधन समूह से लड़ने के लिए बनाया गया था, जिसने इराक और 2017 में और सीरिया में अपने नियंत्रण वाले क्षेत्र पर अपनी पकड़ खो दी थी। हालांकि, आतंकवादी इराक और सीरिया के अनबर रेगिस्तान में काम करना जारी रखे हुए हैं, जबकि दुनिया के अन्य हिस्सों में दूसरों द्वारा किए गए हमलों की जिम्मेदारी भी लेते हैं। अफगानिस्तान में आईएस की शाखा को बेहद खूनी हमले करने के लिए जाना जाता है।

### अमेरिकियों ने बेकन खाना क्यों कर दिया कम? ट्रंप ने अपनी विस्कॉन्सिन रैली में बताई अजीबो–गरीब वजह

रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प ने विस्कॉन्सिन में चुनावी रैली में अजीबो–गरीब करते हुए कहा कि लोगों ने बेकन (सुअर का मांस) खाना बंद कर दिया है। इसके पीछे विंड एनर्जी में देश के इंवेस्टमेंट को जिम्मेदार बताया है। उनका बयान रैली में उपस्थित एक व्यक्ति के सवाल के जवाब में आया। व्यक्ति ने पूछा था कि लोगों के लिए अधिक किफायती जीवन शुरू करने और मुद्रास्फीति को कम करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति की क्या योजनाएं हैं। ट्रंप ने कहा कि शायद यही वह

सवाल है जो मुझे सबसे ज्यादा मिलता है। आप बेकन और इनमें से कुछ उत्पादों पर नजर डालें और कुछ लोग अब बेकन नहीं खाते हैं। हम ऊर्जा की कीमतें कम करने जा रहे हैं। जब हवा नहीं चलती तो हमें थोड़ी समस्या होती है। अमेरिकी एजेंसियों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के विपरीत है। ट्रेडिंग इकोनॉमिक्स के अनुसार, यूएस ब्यूरो ऑफ लेबर स्टैटिस्टिक्स के डेटा से पता चलता है कि मौजूदा खाद्य कीमतें ट्रम्प प्रशासन के अंत में जनवरी 2020 की तुलना में थोड़ी ही अधिक हैं। सर्वेक्षणों के अनुसार, ट्रम्प अपनी प्रतिद्वंद्वी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से पिछड़ गए हैं। वह 13 जुलाई को पेन्सिलवेनिया रैली के दौरान उन पर असफल हत्या के प्रयास के बाद की स्थिति को फिर से हासिल करना चाह रहे हैं। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस ने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप द्वारा उनके बारे में की गई नस्लीय टिप्पणी के बारे में पूछे गए सवाल को टालते हुए कहा कि कृपया अगला सवाल पूछिए।

### कनाडा में केएफसी के हलाल चिकन ने बढ़ाया विवाद, हिंदुओं, सिखों ने भेजा नोटिस

केंटुकी फ्राइड चिकन (केएफसी) ने ओंटारियो में अपने अधिकांश रेस्तरां में हलाल–प्रमाणित चिकन परोसने और हराम (इस्लामिक कानून द्वारा निषिद्ध) पोर्क उत्पादों को बंद करने की योजना की घोषणा के बाद खुद को कनाडा में विवाद के केंद्र में ला दिया है। अमेरिकी फास्ट–फूड चेन केएफसी का लक्ष्य इस्लामी आहार कानूनों का पालन करके ग्राहकों को अधिक विविध और समावेशी विकल्प प्रदान करना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बदलाव मई में शुरू हुआ था। इसने थंडर बे सिटी और कनाडा की राजधानी ओटावा को छोड़कर, कनाडा के सबसे बड़े मुस्लिम समुदाय के घर, ओंटारियो प्रांत के सभी केएफसी स्टोरों को कवर कर लिया। वहीं अब कनाडा के हिंदुओं, सिखों ने हलाल मांस पर केएफसी को नोटिस भेजा है।

# यूक्रेन पर रूस के ताबड़तोड़ हमले, एक बच्चे सहित 7 लोगों की मौत

यूक्रेन की तरफ से रूस के कई इलाकों में अपर एज बनाए जाने के बाद अब पुतिन की सेना ने भी पलटवार शुरू कर दिया है। रूस ने यूक्रेन के उत्तरपूर्वी शहर खार्किव इलाके में एक आवासीय इमारत और एक खेल के मैदान पर बम से हमला किया है। इस हमले में सात लोगों की मौत हो गई और कम से कम 77 अन्य घायल हो गए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा कि मृतकों में 14 साल की एक लड़की भी शामिल है। शहर के मेयर इहोर तेरेखोव ने पहले टेलीग्राम पर कहा था कि खेल के मैदान में एक बच्चे की मौत हो गई। मेयर ने कहा कि हड़ताल के परिणामस्वरूप 12 मंजिला अपार्टमेंट ब्लॉक में आग लग गई। बाद में एक बयान में उन्होंने कहा कि जब मलबे से एक महिला का शव बरामद हुआ तो हमले में मरने वालों की

संख्या सात हो गई। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने कहा कि घायलों में से लगभग 20 की हालत गंभीर है। ब्लॉक का एक सिरा काले धुएं से घिरा हुआ था और ऊपरी कई मंजिलें आग की लपटों में घिरी हुई थीं। आग से बाहर खड़ी कई कारें जलकर खाक हो गईं। आपातकालीन सेवाएँ और बचाव स्वयंसेवक जीवित बचे लोगों को इमारत से बाहर निकालने के लिए दौड़ पड़े। पीड़ितों में से एक का शव बाहर ज़मीन पर कालीन के नीचे पुलिस से घिरा हुआ था। सभी उम्र के निवासी, जिनमें से कुछ खून से लथपथ थे, बाहर बेंचों और दीवारों पर स्तब्ध बैठे थे और चिकित्सक उनकी चोटों का इलाज कर रहे थे। पूरे युद्ध के दौरान खार्किव भारी रूसी बमबारी का केंद्र रहा है, हालांकि हाल के हफ्तों में तीव्रता में गिरावट आई है, जो संभवतः रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सेना द्वारा शुरू की गई एक चौंकाने वाली घुसपैठ से संबंधित है।

# आतंकियों के साथ मिली हुई आईएसआई, पूर्व एनएसए ने कबूल की सच्चाई

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) एचआर मैकमास्टर ने अपनी नई पुस्तक में कहा कि आतंकवादी समूहों के साथ पाकिस्तान की इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) की निर्विवाद मिलीभगत है। उन्होंने कहा कि व्हाइट हाउस को राज्य विभाग से प्रतिरोध का सामना करना पड़ा और पेंटागन ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल के दौरान इस्लामाबाद को सुरक्षा सहायता प्रदान करने पर आपत्ति जताई थी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन के दौरान अपने कार्यकाल का प्रत्यक्ष विवरण देते हुए मैकमास्टर ने अपनी पुस्तक एट वॉर विद अवरसेल्व्स में दावा किया है कि तत्कालीन रक्षा सचिव जिम मैटिस एक सैन्य सहायता देने की योजना बना रहे थे। इस्लामाबाद को पैकेज जिसमें +150 मिलियन मूल्य के बख्तरबंद वाहन शामिल थे, मैकमास्टर के हस्तक्षेप के बाद वह सहायता रोक दी गई। मैकमास्टर ने अपनी पुस्तक में लिखा है कि कुछ गतिविधियों को रोकने के लिए ट्रम्प के निर्देशों का पालन करना भी राज्य और रक्षा के लिए मुश्किल था। जब मैटिस ने इस्लामाबाद का दौरा किया, तो उन्हें पता चला कि यह दक्षिण एशिया रणनीति के विपरीत है, जिसमें कुछ अपवादों के साथ पाकिस्तान को सभी सहायता को निलंबित करने का आह्वान किया गया था। पेंटागन एक सैन्य सहायता पैकेज देने जा रहा था जिसमें 150 मिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के बख्तरबंद वाहन शामिल थे।

पाकिस्तान की मदद रोकना चाहते थे ट्रंप

पूर्व एनएसए ने लिखा कि उन्होंने मैटिस, सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी के उप निदेशक जीना हास्पेल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक बुलाई, जहां उन्होंने कहा कि ट्रम्प कई मौकों पर पाकिस्तानियों को सहायता बंद करने के लिए बहुत स्पष्ट थे। उन आतंकवादी संगठनों के लिए समर्थन जो अफगानिस्तान में अफगानों, अमेरिकियों और गठबंधन के सदस्यों को मार रहे थे। हम सभी ने ट्रंप को यह कहते हुए सुना था, श्मैं नहीं चाहता कि कोई भी पैसा पाकिस्तान जाए। मैटिस ने इस संभावना पर गौर किया कि पाकिस्तान कुछ खास तरीकों से जवाबी कार्रवाई कर सकता है, लेकिन इस्लामाबाद में अमेरिकी राजदूत डेविड हेल समेत अन्य लोगों ने इस बात को साझा नहीं किया। मैटिस ने अनिच्छा से सहायता का शिपमेंट रोक दिया लेकिन अन्य सहायता जारी रही। नतीजतन, ट्रम्प ने ट्वीट करते हुए कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने पिछले 15 वर्षों में पाकिस्तान को मूर्खतापूर्ण तरीके से 33 बिलियन डॉलर से अधिक की सहायता दी है और उन्होंने हमारे नेताओं को मूर्ख समझकर हमें झूठ और धोखे के अलावा कुछ नहीं दिया है।

**प्रतापगढ़ ब्यूरो**
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

**संस्थापक**
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
**प्रबन्ध सम्पादक**
अरविन्द पाण्डेय
**विधि सलाहकार**
कल्पना श्रीवास्तव

**शहर समता**
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
**सम्पादक**
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
**आर.एन.आई.नं.**
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।